वर्ष-10, अंक-217
इन्दौर, सोमवार
5 मंगलवार 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

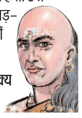

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सांझी संस्कृति को सहेजते हुए विकास के पथ पर अग्रसर : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर राज्योत्सव समारोह को किया संबोधित

भोपाल , राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सांझी संस्कृति को सहेजते हुए विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश दोनों राज्य सगे भाई है।

दोनो राज्यों की साझा संस्कृति है, साथ ही साझा विचार और साझा राष्ट्रवादी भाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रायपुर में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस समारोह राज्योत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में ही छत्तीसगढ़ राज्य का उदय हुआ। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास की असीम संभावनाओं का आंकलन कर निर्णय लिया। आज वनांचल और माइनिंग के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य है। पूरे प्रदेश में विकास के नए आयाम रचे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अब डबल इंजन की सरकार तेजगति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन भूमि का संबंध भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से रहा है। मां कौशल्या और माँ शबरी ने भी इस भूमि का उद्धार किया है। माता शबरी के झूठे बेर भगवान श्रीराम के द्वारा खाने का गौरवशाली प्रसंग जनजातीय संस्कृति को गौरवान्वित करता है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, राजस्थान और गुजरात ये सभी राज्य भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के आध्यात्मिक प्रसंगों को अपने में समेटे हुए है। इस गौरवशाली अतीत को भावी पीढ़ी के सामने लाने के लिए हमारी सरकार मिलकर काम करेगी। भगवान श्रीराम के पदचिन्हों पर बनने वाले श्रीराम वन-गमन पथ के साथ साथ भगवान श्रीकृष्ण के प्रसंग स्थलों को चिन्हित करते हुए धार्मिक तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का दीप प्रज्ज्वलित और देव नगाड़ा बजाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा और श्री अरूण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद श्री ब्रजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, समाजसेवी, कलाकार और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

कनाडा में हिन्दुओं को खालिस्तानियों ने मंदिर में घुसकर मारा

टूडो ने बहाए घड़ियाली आंसू

चरमपंथियों ने बच्चों और महिलाओं को भी बनाया निशाना

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर को खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर निशाना बनाया है। चरमपंथियों ने हिंदू भक्तों पर हमला तक किया। मामले पर अब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो का भी बयान सामने आया है।

टूडो ने चरमपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। धार्मिक स्वतंत्रता के महत्व पर जोर देते हुए टूडो ने कहा कि हर कनाडाई को अपनी आस्था का पालन स्वतंत्र रूप से और सुरक्षित तरीके से करने का अधिकार है। ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा अस्वीकार्य है। हर कनाडाई को अपने धर्म का पालन स्वतंत्र रूप से और सुरक्षित तरीके से करने का अधिकार है। समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच करने के लिए तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए पील क्षेत्रीय पुलिस को धन्यवाद।

कट्टरपंथियों के लिए सुरक्षित जगह बना कनाडा

इस बीच, टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी हमले की निंदा की और कहा कि कनाडा कट्टरपंथियों के लिए एक सुरक्षित जगह बन गया है और कहा कि देश के नेता हिंदुओं की रक्षा करने में हम विफल रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे वे ईसाई और यहूदी कनाडाई लोगों की रक्षा करने में विफल रहे। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, वुओंग ने लिखा हिंदू कनाडाई लोगों पर हमला देखना चिंताजनक है। खालिस्तानी चरमपंथियों से लेकर आतंकवादी कॉस्प्लेयर तक, कनाडा कट्टरपंथियों के लिए एक सुरक्षित बंदरगाह बन गया है। हमारे नेता हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहे हैं जैसे वो ईसाई और यहूदी कनाडाई लोगों को हिंसा से बचाने में विफल रहे थे। हम सभी शांति से पूजा करने के हकदार हैं।

भारतीय उच्चायोग का आया बयान

हिंदुओं पर हमले के बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग का बयान आया है। उच्चायोग ने कहा कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर आयोजित कांसुलर कैंप के बाहर भारत विरोधी तत्वों द्वारा हिंसक व्यवधान देखा गया है। ये बेहद निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं।

कनाडा के विपक्षी नेता ने की निंदा

इससे पहले कनाडाई विपक्षी नेता पियरे पोलीवरे ने हिंदू सभा मंदिर पर हमले की निंदा करते हुए कहा कि हमारा देश हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है। पोलीवरे ने आगे कहा कि रूढ़िवादी हमले की निंदा करते हैं और लोगों को एकजुट करने और अराजकता को समाप्त करने का वादा करते हैं।

ईरान में अंडरवियर पहने छात्रा हिरासत में

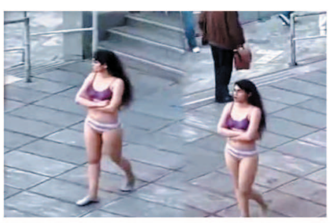

तेहरान (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहे हैं उसमें देखा जा सकता है कि इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी के सुरक्षा गार्ड औरत को हिरासत में ले रहे हैं. यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता आमिर महजॉब ने एक्स पर कहा कि पुलिस स्टेशन पर पाया गया कि लड़की गंभीर मानसिक दबाव में थी. उसे मानसिक विकार था. यह मामला शनिवार को इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी में पेश आया है. यहां एक छात्रा अपने कपड़े उतार कर सबके सामने घूमने लगी. खबरों के मुताबिक यह लड़की ईरान में ड्रेस कोड के खिलाफ है. इसलिए उसने अपना विरोध प्रदर्शन दर्ज कराने के लिए ऐसा किया. ईरान एक मुस्लिम देश है. यहां पर लड़कियों का पर्दा करना और हिजाब पहनना जरूरी है. अगर कोई औरत यहां सरकार के निर्देश के मुताबिक कपड़े नहीं पहनती है.

हरियाणा में पति -पत्नी जिंदा जले

चंडीगढ़। हरियाणा के झज्जर के बहादुरगढ़ में शनिवार (2 नवंबर) को एक घर में आग लग गई। इस घटना में पति-पत्नी जिंदा जल गए। हादसे में दूसरे कमरे में सो रहे तीन बच्चे भी धुएं की चपेट में आ गए। दम घुटने से उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। आग बुझाने की कोशिश में बुजुर्ग पिता भी झुलस गए। मृतकों की पहचान बिहार के नवादा निवासी सिंटू (25) और उसकी पत्नी निशा (22) के रूप में हुई है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में

राज ठाकरे की भूमिका ने कई नेताओं की बढ़ाई मुश्किलें

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव इस बार काफी कांटेदार होने वाले हैं। सभी सियासी दल अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। इस सियासी संग्राम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे भी कूद पड़े हैं।

इस बार राज ठाकरे की पार्टी 25 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस तरह राज महायुति गठबंधन का खेल बिगाड़ सकते हैं। असल में राज ठाकरे की पार्टी करीब 36 विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने की स्थिति में है। ऐसे में भाजपा, शिंदे सेना और एनसीपी के लिए मुकाबला काफी कड़ा रहने वाला है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि मनसे की तरफ किसी भी तरह का वोट शिफ्ट हुआ तो महायुति और एमवीए दोनों का खेल खराब हो सकता है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव 20 नवंबर को होने वाले हैं।

बांग्लादेश में हो जाएगा अंधेरा! अडानी की चेतावनी-

बिल चुकाओ, नहीं तो काट देंगे बिजली सप्लाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी पावर ने बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति में कटौती की है जिसका मुख्य कारण बकाया भुगतान न होना है. कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यदि 7 नवंबर तक बकाया राशि का निपटारा नहीं किया गया तो बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी जाएगी. जानकारी के अनुसार वर्तमान में बांग्लादेश पर अडानी का बकाया लगभग 850 मिलियन डॉलर है. ये एक गंभीर स्थिति है, क्योंकि बांग्लादेश बिजली संकट से जूझ रहा है और इसकी अर्थव्यवस्था पर इसके कई सारे दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं. अडानी पावर ने पहले बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (BPDB) को 31 अक्टूबर तक बकाया चुकाने और 170 मिलियन डॉलर (लगभग 1,500 करोड़ रुपए) का लेटर ऑफ क्रेडिट (LC) जारी करने के लिए कहा था, लेकिन BPDB ने कृषि बैंक के माध्यम से स्ष्ट जारी करने का प्रयास किया जो कि पावर खरीद समझौते की शर्तों के अनुसार नहीं था. सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश में डॉलर की कमी भी इस समस्या का एक बड़ा कारण बनी है. ये न केवल अडानी के लिए बल्कि बांग्लादेश के लिए भी एक गंभीर चुनौती है.

दो भाइयों के सीने में धड़क रहा एक दिल

मां की कोख से जुड़वा भाइयों ने लिया जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल कॉलेज में रविवार की शाम दो जिस्म के साथ एक दिल वाले नवजात पैदा हुए हैं। दिल से दोनों नवजात जुड़े हुए हैं।

वर्षा जोगी, बच्चों की मां

इन्हें जन्म देने वाली प्रसूता समेत परिवार के लोग जिस्म से जुड़े ऐसे बच्चे को देख चिंता में पड़ गये। उन्हें समझ में ही नहीं आ रहा की शरीर से एक दूसरे से जुड़े इन बच्चों का वह कैसे पालन पोषण कर पाएंगे, साथ ही इनका भविष्य क्या होगा। वहीं उनके स्वास्थ्य को लेकर भी परिजन चिंतित हो रहें हैं। नवजातों को ऑक्सीजन सपोर्ट में रखा गया है।

मेडिकल कालेज प्रबंधन द्वारा इन्हें रीवा अथवा जबलपुर भेजने की तैयारी की जा रही है, ताकि इनका उचित उपचार हो सके। ऐसे नवजातों को सीमंस ट्विन्स भी कहा जाता है। जानकारी के अनुसार अनूपपुर जिले के कोतमा निवासी वर्षा जोगी पति रवि जोगी (25) को परिजनों द्वारा प्रसव के लिए मेडिकल कालेज लाया गया था। जहां रविवार शाम करीब 6 बजे प्रसूता का सीजर किया गया। जिसमें एक ऐसे जुड़वा बच्चे ने जन्म लिया, जिनके जिस्म दो अलग-अलग थे, लेकिन दिल एक ही है, जो जुड़ा हुआ है।

यूपी, पंजाब, केरल में उपचुनाव की तारीख बदली

14 सीटों पर अब 13 की जगह 20 नवंबर को वोटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीख बदल गई है।

चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि तीनों राज्यों की 14 विधानसभा सीटों पर अब 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट 23 नवंबर को ही आएंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक उत्तर प्रदेश की 9, पंजाब की 4 और केरल की 1 विधानसभा सीटों पर अब 20 नवंबर को वोटिंग होगी। तारीखों में बदलाव भाजपा, कांग्रेस, ऋष्ठ और बसपा की मांग पर की गई है। इन पार्टियों का कहना था कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक देवजी का प्रकाश पर्व है। वहीं, केरल में 13 से 15 नवंबर तक कलपाथि रास्थोलसेवम मनाया जाएगा। इससे वोटिंग पर असर पड़ता। 20 नवंबर को ही महाराष्ट्र विधानसभा की 288 और झारखंड की 38 सीटों पर चुनाव होंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर इसी दिन उपचुनाव है।

स्पेन में राजा और रानी पर कीचड़ से हमला, पीएम की गाड़ी पर पथराव; भीड़ ने गाली-गलौच भी की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्पेन इन दिनों दशकों बाद सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। अब तक 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। अब सरकार पर बाढ़ प्रभावित लोगों का गुस्सा भी फूटने लगा है। स्पेन के राजा फेलिप और रानी लेटिजिया बाढ़ प्रभावित पैपोर्टा शहर का दौरा करने पहुंचे। यहां उन्हें लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। लोगों ने राजा और रानी पर कीचड़ फेंका। गाली-गलौच और जमकर नारेबाजी की।

राजा के खिलाफ लगे हत्यारे वाले नारे

पैपोर्टा शहर से जब शाही प्रतिनिधिमंडल गुजरने लगा तो बाढ़ प्रभावित लोगों ने राजा के खिलाफ 'हत्यारा' और 'शर्म करो' के नारे भी लगाए। हालांकि इस दौरान राजा और रानी ने लोगों से मुलाकात की और सांत्वना दी। राजा और रानी के चेहरे पर कीचड़ लगा था।

बिजली और पानी की समस्या

स्पेन के प्रधानमंत्री सांचेज ने शनिवार को 10 हजार से अधिक सैनिकों को बाढ़ प्रभावित स्थानों पर भेजने का आदेश दिया है। उन्होंने सरकार की कमी को स्वीकार भी किया। मंगलवार को भारी बारिश के बाद बाढ़ ने कई कस्बों पर भारी तबाही मचाई। यहां कीचड़ के ढेर लगे हैं। लोग अपने घरों से कीचड़ और मिट्टी हटाने में जुटे हैं।

पीएम की गाड़ी पर पत्थर से हमला

राजा और रानी के साथ स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज व वैलेंसियन संसद के प्रमुख कार्लोस माजोन भी पहुंचे थे। मगर भीड़ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। इसके बाद वहां से पीएम को सुरक्षित बाहर निकाला गया। स्पेनिश मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक पीएम सांचेज पर कई चीजों से हमला किया गया। बीबीसी के मुताबिक पीएम सांचेज की गाड़ी पर पत्थरों से भी हमला किया गया है।

पुलिस ने किया बल प्रयोग

बाद में स्पेन की पुलिस ने गुस्साई भीड़ को बल प्रयोग करके तितर-बितर करने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक राजा-रानी को बाढ़ प्रभावित वैलेंसिया प्रांत के चिवा शहर भी जाना था। मगर उग्र भीड़ की वजह से दौरा रद्द करना पड़ा। अधिकारियों की तरफ से बाढ़ की चेतावनी के बावजूद पर्याप्त सहायता न देने की वजह से लोग खफा है। उधर, बाढ़ से मची तबाही के बीच राहत एवं बचाव कार्य जारी है। आपातकालीन कर्मचारी लोगों को बचाने में जुटे हैं। भूमिगत पार्किंग और सुरंगों में लोगों की लाश खोजी जा रही हैं।

गुजरात में मध्य प्रदेश के 4 बच्चों की मौत

अमरेली। गुजरात में अमरेली तालुका के रंधिया गांव में कार में दम घुटने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई। चारों बच्चे कार में खेल रहे थे और इसी दौरान कार का गेट लॉक हो गया। गेट नहीं खुलने के चलते दम घुटने से बच्चों की मौत हो गई। परिवार मध्य प्रदेश के धार जिले का रहने वाला है। यह अमरेली में मजदूरी करने गया है। गांव वालों से मिली जानकारी के मुताबिक, चारों बच्चों के माता-पिता कुछ दिन पहले ही मध्य प्रदेश के धार से अमरेली के रंधिया गांव आए थे।

संपादकीय

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है।भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये।

कहानी

बेबाक प्रश्न

आज एक सम्मान सभा का आयोजन किया गया था जिसमें कई शहर की सुंदरियों को आमंत्रण दिया गया था । उद्घोषिका ने उनका स्वागत करते हुए कहा मैं आप सभी सुंदरियों का अभिवादन करते हुए आपको मंच पर आमंत्रित करती हूं । सभी इठलाती - बलखाती स्टेज की तरफ चल दीं उन सबकी चाल में एक विश्वास और चेहरे पर खूबसूरती दमक रही थी । उद्घोषिका ने स्टेज पर खड़ी उन सारी सुंदरियों की तरफ देखते हुए कहा मैं आप सभी से एक प्रश्न पूछती हूं कि आप भगवान की दी गई इस खूबसूरती पर क्या कहना चाहेंगी ? एक सुंदरी ने आगे बढ़कर माइक थामा और सबका अभिवादन करते हुए कहा मैं ऊपर वाले की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे ये खूबसूरती दी जिसके लिए मैं खुद को गर्वान्वित महसूस करती हूं , ऊपर वाला हमें जो भी देता है उसके लिए हमें उसका एहसानमंद होना चाहिए । सभा में एक स्त्री बोलने के लिए हाथ ऊंचा कर रही थी उद्घोषिका ने उसकी तरफ देखते हुए कहा क्या आप कुछ कहना चाह रही हैं ? स्त्री की गर्दन हां में हिली । मंच पर सभी उसको ध्यान से देख रहीं थीं उसके चेहरे पर कुछ ज़्यादा मेकअप और हाव-भाव किन्नरों वाला था...उसने बोलना शुरू किया । नमस्कार ! अभी आपने बोला कि ऊपर वाला हमें जो भी देता है उसका हमें एहसानमंद होना चाहिए हम किन्नर भी उसी ऊपरवाले की देन हैं हम खुद से किन्नर नहीं बने । सबको बस शुभ कार्यों में हमारा आशीर्वाद चाहिए उसके बाद हम तिरस्कृत हो जाते हैं यहां तक की हमारा नाम लेने में भी आपको शर्म आती है और हमारे नाम को गाली के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है । हम किन्नर भी तो उसका एहसान मानकर उसका ही दिया हुआ काम करतें हैं तो हम क्यों नहीं गौरवान्वित महसूस करें ? हमें क्यों नही सराहा और सम्मानित किया जाता ? अगर आप मानते हैं कि हम सब ऊपरवाले की देन हैं तो फिर हमारे साथ ये भेदभाव क्यों ?

ममता सिंह देवा ,
वाराणसी

बच्चों में कौतूहल भरने वाली लोक कहावतें और खेल कहाँ खो गये

बच्चों में मेघना शक्ति का अद्भुत संचार करने वाली किस्से कहानियॉ, कहावतों का एक दौर गुजरे मुश्किल से तीन दशक बीते है। इतिहास गवाह है कि दादी और नानी जब अपने नौनिहाल को शाम को भोजन के बाद बिस्तर में लेकर लेटती थी तब विश्वास,आश्चर्य और समाधानकारक बाल मनोवृत्ति की कहानियां, किस्से,कहावतें बच्चों को संगीतात्मक लय में सुना कर उनके मन की एकाग्रता को अदभुत शक्ति से भर देती थी। खेल खेल में बच्चे लोककथाओं की इस मेघना को अपने चरित्र निर्माण में भी विकसित कर संसार के इस ज्ञान से परिचित हो जाया करते थे। इतना ही नहीं नानी-दादी के इन किस्से,कहावतों के साथ बच्चों में जहॉ पशु पक्षियों की कहानियों से पशु-पक्षियों से प्रेम व पर्यावरण की शिक्षा ग्रहण की जाती वही, परियों एवं दानवों की कथाओं से जादू चमत्कारों से परिचित होते तो दूसरी ओर ऐतिहासिक किस्से कहानियों का ज्ञानवर्धन कराती तो पराक्रम भरी किस्से उन्हें पुरूषार्थी बनाते और उनमें समस्याओं को सुलझाने की सीख पहेलियों से मिलती रहीं है जो आज के इस संचार क्रांति के दौर में

दूर तक देखने को नहीं मिलती है और इंटरनेट ने उन्हें समय के आगे का ज्ञान देकर उनके बचपन को प्रतिस्पर्धा की अग्नि में भस्म कर रखा है।

जब टेलिविजन नही था तब बरसात के दिनों में बच्चें घरों में घरोंदें का खेल खेलते जिसे कोई कोई घरूआ पतुआ भी कहता। जब बच्चे बिस्तर पर आराम करते तब घर के माता,पिता,बुआ आदि कोई को बुलाते और वे अपनी हथेली पर बच्चे का हाथ रखते तथा दूसरे हाथ से बच्चे के हाथ पर ताली बजाकर कहते - आटे बॉटे दही चटाके,बरफूले बंगाली फूले, बाबा लाये तोरई, भूंजि खाये मोरई। दूसरी कहावत बहुत प्रचलित रहीं जिसमें बिल्ली की चालाकी को लेकर कहा गया कि - काहू के मूॅड़ पै चिल मदरा,कौआ पादे तऊ न उड़ा,मैं पादू तो झट उड़ा। उस समय घर में बॉस की पिंची और कपड़े के बीजना हुआ करते थे जिन्हें हाथ में लेकर बच्चे कहते थे-बाबा बाबा पंखा दे, पंखा है सरकार का, मैं भी हूँ दरबार का, अच्छा एक लेलो। इससे हवा नहीं आती, अच्छा एक और लेलो। एक खेल में कई बच्चें गोलघेरे में खड़े होते और एक उनके बीच में खड़ा होता तब सब लड़के उसे पूछते- हरा समन्दर, गोपी चन्दर, मछली मछली कितना कितना पानी गोलघेरे के भीतर वाला बालक अपने हाथों के पैरों के टखने तक लगाकर कहता, इत्ता इत्ता पानी। फिर दूसरा बालक पूछता,अब कित्ता पानी। बीच घेरे वाला बालक हर सवाल पर जबाव देता और अपनी चोटी तक पानी बताता, तब सभी दूर खड़े होकर घेरा बनाते और घेरे के अन्दर वाला उन्हें

छूता, अगर कोई छुआ जाता तो उसे मछली बनकर ऐसे ही घेरे से बाहर निकलने का प्रयास करना होता और उस गोलघेरे को समुन्दर माना जाता।

बच्चों को खुश करने के लिये उसकी हथेलियों पर अपनी हाथों की थपकी देकर घर की महिलायें गाती है - अटकन-बटकन, दही-चटाकन। बाबा लाये सात कटोरी,एक कटोरी फूटी,भैईया की किस्मत रूढ़ी। यह कहकर बच्चें की एक अंगुली पकड़कर कहती है कि यह छिंगुनी अंगुली चाचा की, दूसरी भैईया की, तीसरी मॉ की, चैथी कक्का की और पॉचवे पर अंगूठा पकड़कर कहती है कि यह गाय का खूंटा। फिर अपनी दो उॅगलिया बालक की बॉह पर अपनी अंगुली के पोरों से चलाते हुए उसकी कॉख तक ले जाती है और कहती है कि-डुकरिया अपने बासन भॉड़े उठाईले, मेरो बूढ़ो बैल पानी पीने आ रयो है। फिर आपई बच्चों को भरमाते हुये डुकरिया बनकर कहती है -ए पूत मेरौ चकला रह गयो, ए पूत मेरो बेलन रह गयो। और फिर बच्चें की कॉख तक अपनी अंगुली लेजाकर गुदगुदाती है और बालक खूब जोरों से खिलखिलाकर हॅसता रहता है जिसका आंनन्द और सुख से पूरा परिवार खुशी से झूम उठता है। एक खेल में बच्चों को बहलाने के लिये आसमान में चंदा मामा की ओर दिखाते हुए कहती है कि -चंदा मामा दूर के, पुये पकाये बूर के, आप खाएं थाली में मुन्ना के दे प्याली में, प्याली गई टूट, मुन्ना गया रूढ। बच्चा इस खेल में जहां खुले आसमान में चंदा को देखकर प्रसन्न होता है वही उसे प्रकृति को जानने-समझने का अवसर मिलता है जिसके अनुभव उसे प्रसन्नता देते है। एक खेल में बच्चों की चुहुलबाजी रोमाचिंत करती है जिसमें दो बच्चे खेलते है और एक दूसरे से पूछता है-काय बुढ़िया,काय ढूंढ रयी है। दूसरा बोलता है-सुई। फिर पहले वाला पूछता है सुई को काय करेगीदूसरा जवाब देता है-कथरी सीऊॅगी। फिर कथरी का काय करेगी। जवाब-रूपया धरूॅगी। रूपईन का काय करेगी, भैस लूंगी। भैस का काय करेगीदूध पीऊॅगी, दूसरा बालक तुरन्त जबाव देता है कि दूध के नाम मूत पीले और जो बालक बुढ़िया बना होता है वह जबाव सुनकर उसे मारने दौड़ता है।बुरे व्यक्ति की संगत से बचने के लिये एक छोटी की कहानी प्रचलित रही है जिसमें एक बिल्ली एक घर में मक्खन के मटके में अपना मुंह डालती है लेकिन जब निकालने की कोशिश की तो वह बहुत परेशान हुई और असफल रही। घबराहट में उसने मटका तोड़ दिया किन्तु मटके की किनारी/घॉघरी उसकी गर्दन में पड़ी रह गयी। वह वहॉ से भूखी ही चली गयी। रास्ते में उसे एक मुर्गा मिला उसने बिल्ली से पूछा मौसी कहॉ जा रही हो, बिल्ली ने कहॉ बेटा मैं भगवान की भक्त हो गयी हूॅ और तीर्थ व्रज को जा रही हूॅ। मुर्गे ने पूछा, तेरे गले में य क्या है बिल्ली ने कहा, यह केदारनाथ भगवान का कंकन है , मुर्गे ने पूछा, क्या मैं भी चलू, बिल्ली ने कहा, बेटा तरी मर्जी, चल। मुर्गा बिल्ली के साथ हो गया, रास्ते में बिल्ली ने उस मुर्गे को खा लिया, तब से यह कहावत प्रचलित हुई कि बुरे का साथ बुरा होता है। ऐसे एक नहीं सैकड़ों उदाहरण मिलेगे जो स्थानीय भाषाओं,बोलियों में प्रचलित है जिनमें कई प्रकार के किस्से कहानियॉ एवं कहावतें मौजूद है जिन्हें आज के दौर की पीढी पूरी तरह भूल गयी है। दादी-नानी के द्वारा बच्चों को जो वीर गाथायें, किस्से,कहानियॉ,लोकोक्तिया एवं लोकभाषाओं की कहावतें सुनाई जाती थी वे उनके भविष्य निर्माण के साथ उन्हें प्रकृति की विशेषताओं, धरती की सभ्यताओं,समाज तथा धर्म प्रथाओं से जोड़े रखती थी वहीं हास्यास्पद चुटकुले,किस्से-कहावतें,गीत बच्चों को स्वस्थ मनोरंजन के अलावा उन्हें संकटकाल में स्वयं को सुरक्षित रखने की सीख देकर इस परम्परा को जीवित रखे हुये थे जो अब शनेःशनेः समाज से विदा होने को है,जिसे बचाये रखने के विषय में हमारे प्रयास जारी रहे तो सदियों से नानी-दादी की इन धरोहरों को बचाया जा सकेगा।

आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार
श्री जगन्नाथ धाम काली मंदिर के पीछे,ग्वालटोली नर्मदापुरम मध्यप्रदेश
मोबाइल 9993376616

आंसू

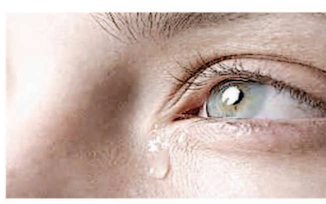

लज्जा अगर स्त्री का गहना है तो आंसू भी आंखों का गहना ही समझो. जिसकी आंखों में समय पर आंसू नहीं होता उन्हें क्या कुछ नहीं सुनना पड़ता. आदिकाल से वर्तमान सभ्यता तक स्त्री हो या पुरुष ले देकर एक आंसू ही आदमी के साथ रहा है .आंसू उसकी व्यथा की कहानी है .उसके भीतर की घुटन है जिसे बाहर निकालकर ,बहाकर वह स्वयं को हल्का महसूस करता है.अगर ये भी उसके साथ न हो तो अवसाद में अनुचित कदम उठाने को मजबूर हो जाये.

मानव जीवन में कितने ही ऐसे क्षण आते हैं जब आंसू पीकर रह जाना पड़ता है.प्राचीन ग्रंथों में ऐसी बहुत सी कहानियां मिलती हैं.तब दूसरों के आंसू पोंछने वाले भी होते थे. अब दूसरों के आंसू पोंछने वाले धरती पर बचे ही कहां है मुंह सामने आंखों में आंसू भर लेने वाले मित्र, सगे-संबंधी भी मुंह फेरते ही मुस्कुराने लगते हैं.घर से ग्लिसरीन में भिगोयी रुमाल की कोर से कितनी देर काम चल सकता है बुरे वक्त पर मुंह सामने हालचाल पूछने की

औपचारिकता करने वाले भी आंखों में दो चार आंसू ढालकर अपने अपने घर लौट जाते हैं .बिना इस बात की परवाह किए कि सामने वाला आदमी रात भर अकेला आंसुओं से मुंह धोएगा . स्वार्थ और मतलब परस्त लोगों की दुनिया में कौन किसके लिए सोचता है दारू पीकर आंसू बहाने वालों की भावुकता भी कितनी देर टिकती हैथोड़ी देर बाद ही दीन दुनिया से बेखबर खार्राटे भरने लगते हैं.

हम उस देश के वासी हैं जिसमें गंगा तो बहती है पर आंखों की सरस्वती सूख गई है.अब यहां न राजा प्रजा का होता है और न प्रजा ही राजा की है .इसलिए राजा के मरने पर भले ही झंडे झुक जाएं ,दस दिवसीय शोक की घोषणा हो जाए ,मनोरंजन के कार्यक्रम बंद कर दिए जाएं किंतु आमजन में से कोई चार आंसू भी नहीं गिराता .अब इसी से राजा की लोकप्रियता का आकलन हो जाना चाहिए. टी. वी. चैनल वाले पेइंग एंकर भले ही देश भर में राष्ट्रीय शोक की लहर बताते रहें, वो तो गली मोहल्लों में इतराती दिख जाती है.

डॉ.महेन्द्र अग्रवाल
स. नई ग़ज़ल सदर बाजार
शिवपुरी म.प्र. 473551

व्यंग्य

पैसा बिन अपने हुए पराये

रोज की तरह गुनगुनाते हुए आने की बजाय मुंह सुखाए नोंक देकर गर्दन झुकाए बगल में बैठ गया मंगू। मंगू! यह कैसी उदासी, कौन सा पहाड़ टूट पड़ा सुबह सुबह मास्टरजी! भाई बहन के रिश्ते कभी कमजोर होते सुने या देखें हैं कभी सामान्य तौर पर ऐसा तो नहीं सुना, कभी कभी आपस में नोंक झोंक होना स्वाभाविक है परन्तु इससे बड़ा कोई रिश्ता नहीं बशर्ते ससुराल के दबाव में आ जाए बहन तो। मेरी बहन ने जायदाद बंटवारे का केस खड़ा कर दिया है जबकि मैं उसे जान से भी ज्यादा चाहता हूं, एक बार गम्भीर बीमारी से पीड़ित हुई तो मैंने अपना खून दिया, इलाज का पूरा खर्च उठाया, शादी में दहेज में भरपूर दिया। ससुराल आर्थिक रूप से मुझसे भी अधिक सम्पन्न है। देखो मंगू! पैसा बहुत बुरी चीज होती है, जो इसका गुलाम यानी पैसा ही उसको सब कुछ है जिसका अंग्रेजी में मनी माइंडेड प्रचलित शब्द है;उसके लिए अपने नाते रिश्ते कोई मायने नहीं रखते। लालच बुरी बलाय , अपना भी पराया बन जाय। मुझे क्या करना चाहिए पद और पैसा बाप बेटा,भाई बहन को भी जानी दुश्मन बना देता है।यह सब बड़े बड़े सम्पन्न परिवारों की देन है जिसको कोर्ट ने भी मान्यता दी है। अतः भले ही तुम्हें कटोरा लेकर भीख मांगना पड़े बहन का हिस्सा देना ही पड़ेगा, इसीलिए इसके दुष्परिणाम देखने को मिल रहे हैं खासकर हिन्दुओं में जो केवल एक औलाद से दूसरी पैदा ही नहीं करना चाहते जिसका भविष्य विजातियों की गुलामी भोगना दिख रहा है जहां जनसंख्या बढ़ाओ अभियान छेड़ रखा है। अपने भी पराये बनाने में राजनीति भी बहुत बड़ा फेक्टर है सही है या नहीं ठीक कहा गुरुदेव! चूंकि मैं स्वयं राजनैतिक क्षेत्र में होने से पाता हूं कि पद पैसा और शोहरत पाने के लिए अपने खून में ही संघर्ष है। राजनीति में कोई किसी का सगा नहीं। उसी का परिणाम है भाई भाई का, बेटा बाप का खून करने में भी नहीं चूकता। यहां तक पत्नी भी पराई हो जाती है पैसों की खातिर। मंगू! तेरी सरकार तो संघे शक्ति युगे युगे के मूलमंत्र को ही वसुधैव कुटुम्बकम का आधार मानकर चलती है तो फिर बंटेंगे तो कटेंगे स्लोगन क्या संदेश दे रहा है कौन किससे बंट रहा है जब हम समरस हैं इसका अर्थ कथनी कुछ और करनी कुछ और यानी अपनों को ही पराया मान रहे हो, कहते हो हिंदुस्तान में रहना है तो हिन्दू हिंदू कहना होगा। मास्टरजी! क्षमा करें आप ग़लत अर्थ लगा रहे हैं, अर्थ यह है कि हम किसी भी जाति धर्म को मानने वाले हों मूलतः हिंदू माने हिंदुस्तानी हैं। पैसा बिना अपने भी पराये हो जाते हैं। जिसकी पुष्टि प्रख्यात कवि केशव के शब्दों में -पैसा बिन बाप कहे पूत तो कपूत मेरो, पैसा बिन भाई कहे मेरो दुखदाई है। पैसा बिन काका कहे कौन को भतीजो लागे, पैसा बिन ससुर कहे कौन को जमाई है।

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित

ट्रेन के जनरल डिब्बे में हिंदुस्तान की तस्वीर नजर आती है

संस्मरण

दीपावली के दूसरे दिन मुझे इंदौर से मंदसौर आना था किंतु उस दिन बसें कम थी। इसलिए शाम को वीर भूमि एक्सप्रेस (इंदौर उदयपुर) ट्रेन से मंदसौर आने का सोचा तथा रिजर्वेशन की कोशिश की लेकिन नहीं मिला तो तय किया कि जनरल डिब्बे में ही यात्रा की जावे। आज से 27 साल पहले तक हम जनरल डिब्बे में ही यात्रा करते थे कभी सीट ना मिले तो नीचे बैठकर या फिर टावेल, चादर या अखबार बिछाकर नींद भी निकाल लेते थे। भले ही डिब्बे में आने- जाने वाले लातें मारते हुए निकल जाते थे पर कहीं कोई मान सम्मान, स्वाभिमान आड़े नहीं आता था। कुछ आर्थिक स्थिति ठीक हुई तो रिजर्वेशन के डिब्बे में यात्रा शुरू की फिर कार आ गई तो और उसके बाद नॉनस्टॉप मोटर एवं चार्टर्ड बसें चलने लगी, इस कारण शरीर को सुख तथा मन को सम्मान प्राप्त करने की आदत सी पड़ गई। अहंकार का विकास इस कदर हो गया की ट्रेन में सीट प्राप्त करने के लिए निवेदन की भाषा ही भूल गए।

इंदौर के प्लेटफार्म पर जब यात्रा के लिए जनरल डिब्बे की खोज की गई तो एक डिब्बा सबसे आगे और एक डिब्बा सबसे पीछे लगा हुआ था। दोनों ही डिब्बों में संख्या फुल थी। फिर भी जाना तो था ही, इसलिए एक जनरल डिब्बे में चढ़े तो बैठने की जगह नहीं थी कुछ लोगों से रिक्वेस्ट की तो किसी ने कहा- कि सवारी आने वाली है भैया! तथा अपने पांव लंबे कर दिए, किसी ने अपना सामान खाली सीट पर रखकर जगह रोक ली। मैं जैसे तैसे सामान रखने वाली ऊपर की सीट पर चढ़कर बैठ गया। ट्रेन चल पड़ी, इसी बीच अगली स्टेशन पर एक मुस्लिम महिला डिब्बे में चढ़ी उसने इधर-उधर नजरे दौडाई। उसके साथ उसके स्वयं के चार बच्चे तथा उसके भतीजे एवं भतीजी मिलाकर करीब 13 सवारी थी तथा ढेर सारा सामान भी था। उस महिला ने आते ही ज्ञान बांटना शुरू कर दिया, जिस सीट पर चार लोग बैठे थे उन्हें कहा कि पांच बैठेते है, थोडा उधर खसकिये हैं, जिस सीट पर पांच बैठे थे उन्हें कहा एक बच्चे को बिठा लो। किसी ने आपत्ति की तो उस महिला ने कहा भैया यह जनरल डब्बा है रिजर्वेशन का डब्बा नहीं है एडजस्टमेंट करके चलना पड़ेगा। ज्यादा सुख चाहिए तो रिजर्वेश के डिब्बे में चले जाओ ऐसा कह कर उसने एक बच्चे को और फंसा

दिया। अब उसकी नजर ऊपर समान रखने की सीट रखने गई, जहां मैं बैठा था उसने मुझे कहा भैया! आप तो पढ़े लिखे हो आपको समझना चाहिए यह सीट आदमियों के बैठने की नहीं है यह सामान रखने की है फिर भी आप बैठे हो अब हम यह हमारा सामान कहां रखें मैंने उससे कहा कि मैं तो यहीं बैठूंगा नियम किसी और को बताना तो उसने मुझे कहा कि फिर एक काम करो दो-तीन बच्चे और बिठा लो ऊपर।

वहां सामान रखने की सीट पर पहले से ही कुछ लोगों का सामान रखा हुआ था उसने अपने बच्चों को जैसे तैसे चढ़ा दिया और बड़ी हुज्जत- बहस करते-करते अपने परिवार की सारी सवारियों को डिब्बे में सेट कर दिया। जनरल डिब्बे की विशेषता यह है कि वहां कानून काम नहीं करता या तो जुबान की कुशलता काम करती है या ताकत अथवा बदतमीजी। मुलाहिजा पालने का कोई कालम इस डिब्बे में नहीं होता है। एक जनरल डिब्बे में 75 की सीट पर 250 यात्री आज भी यात्रा करते हैं और इन यात्रा करने वाले यात्रियों का स्वभाव आजादी के 77 साल बाद भी वैसा का वैसा ही जैसा पहले था। आज भी वही धक्का मुक्की, वही जगह रोकने की जद्दोजहद, कशमकश, वही सामान की फेंका फेकी, गाली- गलौज चिल्ला चोट इत्यादि इन जनरल डिब्बो में देखने को मिल जाएगी। फिर नागदा से एक परिवार उस डिब्बे में और चढ़ा और आते ही उन्होंने भी ज्ञान बांटना शुरू किया- खुद को जगह मिल गई तो फैल-फैल के बैठ गए, चौड़े पांव कर करके बैठे हैं। हमने भी पैसे दिए है हम कोई मुफत नी जारिए हेंगे। जरा-सी जगो हमको भी दे दो। ज्यादा सुख चाहिए तो रिजर्वेशन के डिब्बे में जाओ। यह तो लोकल डब्बा है या तो ऐसेई चलता है। मुझे एक महिला ने कहा भैया! आपका सामान नीचे उतार लो यहाँ दो मेरे बच्चे बैठ जाएंगे मैंने उसकी बात मान ली सामान नीचे उतार दिया उसके 3 बच्चे बैठा दिए। रतलाम में उसकी एक सहेली आ गई उसके पास भी दो बच्चे थे। उस महिला ने मुझसे रिक्वेस्ट करके मेरे पास उन दो बच्चों को भी बिठा दिया अब मैं ऊपर की सीट पर भी बैठने लायक नहीं रहा। धीरे-धीरे बच्चे खेलने लगे, मस्ती करने लगे, परिणाम-स्वरूप मैं ऊपर की सीट से नीचे आकर खड़ा हो गया।

धीरे-धीरे, धक्का मुक्की के बीच में खड़े-खड़े मंदसौर तक की यात्रा मुझे करना पड़ी। मैं मन ही मन में सोचता रहा की एक समय था, जब यह धक्का- मुक्की, भीड़ भड़के में भी ट्रेन की यात्रा आनंद प्रदान करने वाली होती थी किंतु अब रिजर्वेशन के बिना यात्रा करना बहुत कठिन है, क्योंकि शरीर को सुख तथा मन को सम्मान प्राप्त करने की आदत पड़ गई है अब छोटी सी बात पर भी इगो हर्ट हो जाता है। लेकिन जो लोग रिजर्वेशन का खर्च वहन नहीं कर सकते वह आज भी जनरल डिब्बों की यात्रा में जो कष्ट उठा रहे हैं इसकी अनदेखी नहीं करना चाहिए। क्योंकि आज भी सीट कबड़ाने के नाम पर, बैठने- बिठवाने के नाम पर, ट्रेनों में चढ़ने उतरने के नाम पर, लड़ाई झगड़ा, धूमधाम के दृश्य, रेलवे के सेकंड क्लास के जनरल डिब्बों में देखने को मिल रहे है। यदि ट्रेन में जनरल डिब्बे बढ़ाने की मांग उठ रही है तो वह उचित ही है। रेलवे को अपनी स्टेशनों पर और अन्य सुविधाएं बढ़ाने के साथ-साथ हर लंबी दूरी की ट्रेन में जनरल डिब्बों की संख्या अवश्य बढ़ा देना चाहिए, क्योंकि ट्रेन के जनरल डिब्बों में जिस दुर्गम अवस्था में यात्री, यात्रा करते हैं तथा अनेक धर्म और मजहब के लोग, शहरी ग्रामीण, गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की कठिनाइयां तथा उनकी गतिविधियां देखकर पूरे हिंदुस्तान की तस्वीर ट्रेन के एक जनरल डिब्बे में नजर आ जाती है।

रमेशचन्द्र चन्द्रे

आई.पी.एस.एकेडमी में नेशनल सेमिनार सृजन-2024 का आयोजन

इन्दौर । आई.पी.एस.एकेडमी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइन्स इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा अपने वार्षिक कार्यक्रम ''नेशनल सेमिनार सृजन 2024'' का आयोजन हुआ। सेमिनार इनोवेटिव सॉल्यूशन फ़ॉर स्मूथ ट्रेफिक थीम पर था । एक सप्ताह वाले इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विधार्थियों को स्वयं के विकास के साथ-साथ राष्ट्र के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत करना था।

सेमिनार में प्लेन टेक , पोस्टर मेकिंग और पेनल डिस्केशन का आयोजन किया गया। जिसमें विधार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । इसमें सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों ने पेनल डिस्केशन में कॉन्क्रीट एवम् डामर की सडकों के बारे में चर्चा की साथ ही उन्होने इंदौर की भौगोलिक स्थिति के हिसाब से कॉन्क्रीट की सडकों को बेहतर बताया । विधार्थियों ने पोस्टर मेकिंग में सस्टेनबल एयरपोर्ट के विभिन्न आयाम प्रदर्शित किये ।

प्रिंसिपल डॉ.अर्चना कीर्ति चौधरी ने कहा किसी देश के विकास में सड़कों और राजमार्गों के साथ बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः यह एक सप्ताह का राष्ट्रीय सेमिनार इनोवेटिव सॉल्यूशन फ़ॉर स्मूथ ट्रेफिक के क्षेत्र में दृष्टिकोण प्रदान करेगा जो राष्ट्र के विकास में मदद करेगा।

सिविल विभाग के डॉ.आशीष निम ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कई वर्षों से आई.पी.एस. अकेडमी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग छात्रों के विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। छात्र निखिल व्यास एवम् महेंद्र सिंघ ने सेमिनार के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाई। प्रो. रिचा जैन ने वोट ऑफ थैंक्स दिया ।

पुस्तक समीक्षाः मधुमेह पर नियंत्रणः नई जिंदगी की शुरुआत

इंदौर। डायबिटीक विशेषज्ञ डॉक्टर भरत साबू ने मधुमेह पर नियंत्रण नई जिंदगी की शुरुआत पुस्तक लिखकर डायबिटीक रोगियों को एक नई संजीवनी दी है। मधुमेह पर नियंत्रण : नई जिंदगी की शुरुआत एक सरल और उपयोगी पुस्तक है, जो मधुमेह से ग्रस्त लोगों के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका प्रस्तुत करती है। लेखक ने स्पष्ट और सुलभ भाषा का प्रयोग किया है, जिससे यह पुस्तक आम पाठक के लिए भी समझने योग्य है।

इस पुस्तक में मधुमेह के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जैसे कि रक्त शर्करा के स्तर को कैसे नियंत्रित किया जाए, जीवनशैली में क्या बदलाव आवश्यक है और सही आहार और व्यायाम का क्या महत्व है. पुस्तक में मधुमेह प्रबंधन के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सहज और व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया गया है। ताकि हर वर्ग के लोग इसका लाभ उठा सके। इसमें मधुमेह से जुड़े मिथकों को भी तोड़ा गया है। जिससे लोग सही जानकारी के आधार पर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सके।

विशेष रूप से इसमें आहार योजनाओं का वण्र किया गया है, जो भारतीय खानपान की जरूरतों के अनुरूप है और व्यायाम की सरल विधियां बताई गई है, जिन्हे हर कोई अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकता है। पुस्तक की एक और प्रमुख विशेषता यह है कि यह पाठक को प्रेरित करती है। मधुमेह को एक जीवनभर की समस्या न मानते हुए इसे नियंत्रित करने के उपायों पर जोर दिया गया है। लेखक ने कई व्यक्तिगत अनुभव और केस स्टडीज का उपयोग कर यह दर्शाया है कि सही जानकारी और अनुशासन से मधुमेह को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है।

कुल मिलाकर मधुमेह पर नियंत्रण : नई जिंदगी की शुरुआत एक अत्यधिक उपयोगी पुस्स्तक है। जो न केवल मधुमेह रोगियों के लिए बल्कि उनके परिवार और देखभाल करने वालों के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। यह पुस्तक जीवनशैली में सुधार के साथ एक स्वस्थ और मधुमेह मुक्त जीवन जीने के लिए एक आदर्श मार्गदर्शिका है। हिन्दी भाषा में लिखी गई इस पुस्तक की सरलता और व्यावहारिकता इसे सभी पाठकों के लिए उपयोगी बनाती है। यह पुस्तक मधुमेह से जुड़े भ्रम को दूर करने और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए पाठकों को प्रेरित करती है।

विश्वविद्यालयों के कुल सचिव एवं शासकीय/निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आज

इंदौर। इन्दौर जिले के सभी विश्वविद्यालयों के कुल सचिव एवं शासकीय/निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों की अति आवश्यक बैठक 05 नवम्बर 2024 मंगलवार को दोपहर 01.30 बजे कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के देवी अहिल्या बाई होलकर सभागृह कक्ष क्रमांक 210(द्वितीय तल) में आयोजित की गई है।

उक्त बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के कुल सचिव एवं सभी शासकीय/निजी महाविद्यालयों के प्राचार्यों से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बने राजपाल गुर्जर की देपालपुर में धमाकेदार वापसी

अपराधियों में दहशत, जनता में उत्साह का माहौल

देपालपुर। देपालपुर में एक बार फिर ईमानदारी और सेवा के प्रतीक बने आरक्षक राजपाल गुर्जर की पदस्थापना ने इलाके में नई ऊर्जा का संचार कर दिया है। उनके देपालपुर लौटने से केवल आम नागरिक ही नहीं, समाजसेवी, व्यापारी वर्ग और जरूरतमंदों के बीच भी उत्साह की लहर दौड़ गई है। जहां एक ओर जनता उनके स्वागत में झूम रही है, वहीं दूसरी ओर अपराधी और दलालों में डर और चिंता का माहौल है।

राजपाल गुर्जर, जिन्हें ईमानदारी और निःस्वार्थ सेवा के लिए जाना जाता है, ने अपनी कार्यशैली से लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। उनके लिए देपालपुर में स्वागत का माहौल केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे व्यक्ति के प्रति जनता का विश्वास है, जो हर परिस्थिति में न्याय के साथ खड़ा होता है। पिछले दिनों उन्हें बेटमा थाने में स्थानांतरित किया गया था, लेकिन स्थानीय जनता की मांग और उनके बेहतरीन कार्यों के कारण उनकी देपालपुर में पुनः नियुक्ति हुई है।

अपराधियों में दहशत, जनता में सुरक्षा का अहसास

राजपाल गुर्जर के देपालपुर लौटते ही क्षेत्र में अपराधियों और गुंडा तत्वों में भय का माहौल बन गया है। उन पर आसूचना एवं सुरक्षा का प्रभार सौंपा गया है, जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया है। उनकी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के कारण अपराधियों पर कड़ी नजर रहेगी, और इससे आम नागरिकों में सुरक्षा का भाव बढ़ गया है। उनका होना मानो एक मजबूत सुरक्षा कवच का अहसास करा रहा है, जो अपराधियों के मंसूबों को सफल नहीं होने देगा।

अधिकारियों में भी बनी

मजबूत छवि

राजपाल गुर्जर की ईमानदार छवि और निष्पक्ष कार्यशैली केवल जनता में ही नहीं, बल्कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों में भी उनकी एक खास पहचान बना चुकी है। उनकी सक्रियता और कर्तव्यनिष्ठा को लेकर आईजी अनुराग, डीआईजी निमिष अग्रवाल, ग्रामीण एसपी हितिका वासल, एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी, डीएसपी उमाकांत चौधरी, एसडीओपी राहुल खरे, देपालपुर टीआई रणजीत सिंह बघेल और बेटमा टीआई संजय सिंह जैसे अधिकारियों के बीच भी गहरी सराहना है। यह उनकी ईमानदारी और कर्तव्य परायणता का प्रमाण है कि उच्च अधिकारियों ने उन पर पुनः विश्वास जताते हुए देपालपुर की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा है।

नकारात्मक प्रचार-प्रसार करने वालों की हार, सच्चाई की जीत

राजपाल गुर्जर की वापसी से उन नकारात्मक तत्वों को भी जवाब मिल गया है, जो उनके खिलाफ प्रचार कर रहे थे। उनकी सफलता और जनता में लोकप्रियता ने नकारात्मक प्रचार-प्रसार करने वालों के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। देपालपुर के लोगों का समर्थन और राजपाल गुर्जर की बेदाग छवि इस बात का सबूत है कि सच की जीत अवश्य होती है।

जनता के समर्थन और विश्वास के प्रतीक बने राजपाल गुर्जर

राजपाल गुर्जर का देपालपुर थाने में पुनः पदस्थापना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास और समर्थन की जीत है। उनकी वापसी ने देपालपुर में न केवल जनता को राहत दी है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि समाज में ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान होता है। देपालपुर के लोगों को यह विश्वास है कि राजपाल गुर्जर की उपस्थिति में क्षेत्र में न्याय और सुरक्षा का माहौल बरकरार रहेगा।

अंत में, राजपाल गुर्जर की देपालपुर में वापसी केवल एक नियुक्ति नहीं है, बल्कि यह न्याय की ओर एक मजबूत कदम है। जनता की मांग पर उनकी पुनः नियुक्ति यह साबित करती है कि कर्तव्यनिष्ठा और सच्चाई की कीमत हमेशा अदा की जाती है। देपालपुर के लोग उन्हें नायक की तरह देखते हैं और उनकी उपस्थिति से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर निश्चिंत हैं।

कैंसर के मरीजों को दिया ऑनलाइन समाधान

इंदौर (मनीष शर्मा)। कैंसर के मरीजों को अपने इलाज एवं जीवन शैली के संबंध में अनेक प्रकार की शंकाएं होती हैं, इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए डॉ अखलेश भार्गव, आयुर्वेद कैंसर विशेषज्ञ इंदौर के द्वारा देश भर के कैंसर मरीजों को ऑनलाइन माध्यम से जोड़ा गया एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया गया।

उक्त संबंध में जानकारी देते हुए डॉ अखिलेश भार्गव ने बताया कि मरीजों ने शरीर में सूजन आना, वजन का कम होना, रात में नींद नहीं आना, कीमोथेरेपी के बाद बाल उड़ जाना, मुंह में छाले हो जाना ऐसी अनेक प्रकार की समस्याओं को रखा, जिनका डॉ अखलेश भार्गव ने आयुर्वेद दवाईयां एवं खानपान के द्वारा समाधान किया गया।

ऑनलाइन माध्यम से राजस्थान , दिल्ली, उत्तर प्रदेश तथा अन्य राज्यों के मरीज भी जुड़े, डॉ भार्गव ने बताया कि इस प्रकार ऑनलाइन माध्यम से एक समय में अनेक कैंसर के मरीजों के साथ जोड़ा जा सकता है एवं उनकी सहायता की जा सकती है।

इंदौर के शासकीय अष्टांग आयुर्वेद कॉलेज इंदौर में कैंसर यूनिट खोली गई है जिसके माध्यम से मध्य प्रदेश एवं भारत के बाहर के मरीजों का आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से इलाज किया जाता है और इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं, अभी हाल ही में स्तन कैंसर जागरूकता एवं शीघ्र निदान के लिए अस्पताल के द्वारा एक प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई है। जिसमें महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है।

हायर पेंशन मिलने तक नहीं कराऊंगा कटिंग

हायर पेंशन की मांग को लेकर कर्मचारी नेता की हठ

इंदौर। सुप्रीम कोर्ट के फैसले और आदेश के 2 साल बाद भी पेंशनरों को हायर पेंशन का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इससे नाराज पर्यटन विकास निगम से रिटायर सेवानिवृत्त अर्द्ध शासकीय अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के उप प्रांताध्यक्ष चंद्रभान राय ने पेंशन मिलने तक कटिंग नहीं कराने का निर्णय लिया है।

फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई एवं महासचिव अरुण वर्मा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर 2022 को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को आदेश दिया था कि ईपीएस-95 के सदस्यों को हायर पेंशन का भुगतान किया जाए, लेकिन दो वर्ष बाद भी हायर पेंशन का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिसकी वजह से सेवानिवृत्त कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है।

बाजपेई एवं वर्मा ने केंद्रीय श्रम मंत्री एवं मुख्य आयुक्त कर्मचारी भविष्य निधि संगठन दिल्ली के साथ ही क्षेत्रीय आयुक्त कर्मचारी भविष्य निधि संगठन भोपाल से अनुरोध किया है कि ईपीएस 95 के सभी सदस्यों को हायर पेंशन का भुगतान अति शीघ्र किया जाए अन्यथा सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं अधिकारी धरना प्रदर्शन, क्रमिक भूख हड़ताल के लिए बाध्य होंगे।

श्री लक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान पर हुआ क्षीरसागर दीपावली विशेषांक का विमोचन

इंदौर। पावन सिद्ध धाम श्रीलक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान, छत्रीबाग में परम पूज्य अनंत श्रीविभूषित श्रीमज्जगद्गुरु रामानुजाचार्य 1008 श्रीनागोरियापीठाधिपति श्री स्वामी श्रीविष्णु प्रपन्नाचार्यजी महाराज ने प्रतिष्ठित क्षीरसागर राष्ट्रीय पत्रिका के दीपावली विशेषांक का अपने शुभ कर-कमलों से विमोचन किया।

यह जानकारी देते हुए क्षीरसागर राष्ट्रीय पत्रिका की प्रबंध संपादक डॉ.श्रीमती सपना ओझा ने बताया कि इस गरिमापूर्ण अवसर पर क्षीरसागर राष्ट्रीय पत्रिका के प्रधान संपादक एवं विश्व कल्याण अनुष्ठान केन्द्र नामक दिव्य आश्रम के प्रणेता पूज्य गुरुदेव पं. डॉ.भरत कुमार ओझा भानु ने महाराजश्री का सादर अभिनंदन किया।

महाराजश्री ने भी स्नेहपूर्वक गुरुदेव डॉ. भानु को अंगवस्त्रम् तथा पवित्र प्रसाद भेंट करते हुए अपना शुभ आशीर्वाद एवं दीपोत्सव की मंगलकामनाएँ व्यक्त की।

शंखनाद के साथ देपालपुर में अष्टधातु निर्मित आदिनाथ भगवान की प्रतिमा का नगर प्रवेश

देपालपुर। दिगंबर जैन समाज द्वारा आज 4 नवंबर 2024 को अष्टधातु से निर्मित भगवान आदिनाथ की प्रतिमा का नगर में भव्य स्वागत किया गया। इसी उपलक्ष्य में आगामी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के कार्यक्रम स्थल का भूमि पूजन भी संपन्न हुआ। नव-निर्मित मंदिर के उद्घाटन के उपलक्ष्य में आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव की तारीखें 2 दिसंबर से 6 दिसंबर 2024 तक तय की गई हैं।

प्रातःकाल में देपालपुर नगर के राजा भगवान श्री चंद्रप्रभ का अभिषेक किया गया, जिसके पश्चात अष्टधातु से निर्मित चंद्रप्रभ भगवान को पंचकल्याणक स्थल पर पूजन, शुद्धिकरण, और नवकार महामंडल विधान हेतु ले जाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्मचारी तरुण भैया जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

महोत्सव में आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महामुनि राज के शिष्य मुनि श्री 108 विनम्र सागर जी एवं उनके संघ के सानिध्य में पंचकल्याणक अनुष्ठान किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री ज्ञानचंद जी छाबड़ा ने स्वामी वात्सल्य का लाभ लिया। सभी समाजजनों को अपने संबंधियों, मित्रों, और दूर-दराज के संबंधियों को पीले चावल के साथ आमंत्रण पत्रिका भेजने के निर्देश दिए गए। यह जानकारी शौर्य सुशील मोदी द्वारा प्रदान की गई।

छठ महोत्सव - आज से चार दिनी छठ व्रत नहा-खाय से शुरू

इंदौर। छठ पूजा महोत्सव समिति श्याम नगर एनेक्स ए द्वारा छठ महोत्सव हेतु छठ जल कुंड का रंग रोगन एवं महोत्सव स्थल की साफ़ सफाई का कार्य लगभग पूर्ण कर ली गई हैं एवं सम्पूर्ण प्रांगण में समुचित एवं आकर्षक विद्युत साज सज्जा की जा रही है।

समिति के अध्यक्ष टी. एन. झा एवं सचिव श्री मृत्युंजय शर्मा ने बताया कि आज 5 नवंबर को छठ व्रतियों द्वारा विधि- विधान से स्नान - ध्यान करके, शुद्ध वर्तन में स्वयं के द्वारा निर्मित चावल, दाल, लौकी की सब्जी के साथ छठ महाव्रत का संकल्प करते हुए, भोजन प्रसाद ग्रहण किया जायेगा। इसे बिहार की भाषा में नहायङ्क खाय कहते है। इसी नहाय खाय के साथ चार-दिनी छठ व्रत की शुरुआत होगी। 6 नवंबर को खरना कार्यक्रम होगा, जिसमे छठ व्रतियों द्वारा पुरे दिन निर्जला व्रत रखते हुए शाम को छठव्रती गुड़ व् चावल से निर्मित खीर व् सादी रोटी का प्रसाद भगवान को अर्पित करेंगे एवं तदोपरांत प्रसाद ग्रहण करेंगे।

खरना कार्यक्रम के बाद से 36 घंटे का निर्जला व्रत रखते हुए 7 नवंबर को सायं 5 बजे से अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को सांध्य अर्घ एवं पुन 8 नवंबर को प्रातः 5 बजे से उदित मान भगवान भास्कर की पूजा अर्चना करके प्रातः अर्घ समर्पित करके अपने छठ व्रत का समापन करेंगें। समिति के सचिव श्री मृत्युंजय शर्मा द्वारा बतया गया कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध बांसुरी वादक बलजिंदर सिंह वल्लू द्वारा छठ गीत के धुन पर बांसुरी वादन किया जाएगा साथ ही सुश्री शिक्षा शर्मा द्वारा छठ एवं भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। समिति द्वारा शहर के प्रबुद्ध नागरिक, वरिष्ठ समाजसेवी एवं सांसद, क्षेत्रीय विधायक व पार्षद महोदय को कार्यक्रम में उपस्थित होने हेतु सादर आमंत्रित किया गया है ।

15 नवंबर तक ई-कंटेंट के आवेदन आमंत्रित

इन्दौर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अंतर्गत आने वाले पाठ्यक्रम के लिए ई-कंटेंट तैयार करने हेतु अतिथि विद्वानों सहित प्रोफेसर से जानकारी आमंत्रित की है। उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध कालेजों के इच्छुक शिक्षकों को 15 नवंबर तक अपने तथा अपने विषय के बारे में जानकारी देना होगी। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक और अतिथि विद्वानों को ई-कंटेंट के लिए पात्र माना है।

तीसरी व छठवीं कक्षा के विद्यार्थियों का होगा माक टेस्ट

वार्षिक परीक्षा का परिणाम सुधारने की कवायद

इंदौर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों के तीसरी व छठवीं कक्षा के विद्यार्थियों का माक टेस्ट लिया जाएगा ताकि उनकी सीखने की क्षमता का आकलन किया जाएगा। वर्ष भर में ऐसे तीन माक टेस्ट लिए जाएंगे। टेस्ट के परिणामों के विश्लेषण के आधार पर उन विषयों की पहचान की जाएगी, जिनके प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी नहीं दे पाये हैं। उन विषयों के शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को सतत अभ्यास कराया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि यह राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) में बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है। 2021 में आई इसकी रिपोर्ट में मध्य प्रदेश को देश भर में पांचवा स्थान मिला था। इस तिमाही टेस्ट से वार्षिक परीक्षा का परिणाम भी सुधरने की उम्मीद की जा रही है। राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिले के जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। स्कूलों से कहा गया है कि शिक्षक, विद्यार्थियों के प्रदर्शन की समीक्षा इस माक टेस्ट के जरिए करेंगे। इसकी मदद से वार्षिक परीक्षा से पहले या एनएएस से पहले विद्यार्थियों की एक-एक कमी को दूर करने का प्रयास किया जाए। इसके प्रश्न राज्य शिक्षा केंद्र से भेजा जाना है। इसका उत्तर ओएमआर शीट पर देना होगा। सभी कक्षाओं के परिणाम आनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे

दोनों कक्षाओं के माक टेस्ट में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। तीसरी कक्षा के टेस्ट में कुल 45 प्रश्न होंगे। इसे डेढ़ घंटे में हल करना होगा। छठवीं कक्षा में 60 प्रश्न होंगे। इसके लिए दो घंटे का समय निर्धारित होगा।

सरकारी दावों के बावजूद गेहूं-सरसों की बुवाई के वक्त खाद की कमी से जूझ रहे हैं किसान...

लगभग 100 लाख टन डीएपी की मांग देश में आधा उत्पादन भी नहीं खाद के लिए मारामारी...हो रही कालाबाजारी

कई राज्यों में किसानों ने 1350 रुपए वाले डीएपी बैग को ब्लैक में खरीदने के लिए दो-दो हजार चुकाए

इंदौर। मप्र से लेकर राजस्थान, यूपी, बिहार और हरियाणा तक के किसान इस समय डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) की किल्लत से जूझ रहे हैं। डीएपी दूसरी सबसे ज्यादा खपत वाली खाद है। इसके लिए किसानों को दो-दो दिन लाइन में लगना पड़ रहा है और कुछ सूबों में तो पुलिस के पहरे में इसका वितरण हो रहा है। तमाम सरकारी दावों के बावजूद आखिर ऐसा क्यों है कि गेहूं और सरसों जैसी महत्वपूर्ण फसलों की बुवाई के वक्त किसानों को डीएपी संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई राज्यों में किसानों ने 1350 रुपये वाले 50 किलो डीएपी बैग को ब्लैक में खरीदने के लिए दो-दो हजार रुपये चुकाए हैं, क्योंकि अगर इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे तो फसलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ सकता है। हालात ये हैं कि भाजपा और कांग्रेस ही नहीं दूसरी पार्टियों के शासन वाले सूबों में भी किसानों को डीएपी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। वजह ये है कि देश में डीएपी की जितनी मांग है इसकी उतनी उपलब्धता नहीं है। ऐसे में अधिकांश राज्यों को उनकी जरूरत जितनी डीएपी की आपूर्ति नहीं हो पाई है। भारत सरकार अपने किसानों को डीएपी उपलब्ध करवाने के लिए आयात पर निर्भर है और इस साल इसके आयात में गिरावट आई है। जिसका असर साफ-साफ ग्राउंड पर दिखाई दे रहा है। लेकिन ऐसा क्यों हुआ? हम आजादी के 77 साल बाद भी किसानों को खाद तक उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। किसानों को इसके लिए लाठी खानी पड़ रही है। राज्यों में आधी सप्लाई भी नहीं देश में डीएपी की कमी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई राज्यों को जरूरत की आधी खेप भी नहीं पहुंची है। भाजपा शासित मप्र में सितंबर 2024 के दौरान 1,57,000 मिट्रिक टन डीएपी की जरूरत थी, जबकि उपलब्धता सिर्फ 69,702.9 मिट्रिक टन की ही हो पाई। भाजपा के शासन वाले यूपी में सितंबर 2024 के दौरान 1,95,000 मिट्रिक टन डीएपी की जरूरत थी और यहां पर 1,35,474 टन की ही उपलब्धता हो पाई। भाजपा और उसके सहयोगियों के शासन वाले महाराष्ट्र में 65,000 मिट्रिक टन डीएपी की जरूरत थी, जबकि उपलब्धता सिर्फ 15,671.7 मिट्रिक टन की ही हो सकी। भाजपा के शासन वाले छत्तीसगढ़ में सितंबर 2024 के दौरान 10,000 मिट्रिक टन डीएपी की जरूरत थी, जबकि उपलब्धता सिर्फ 6,840.1 मिट्रिक टन की ही रही। कांग्रेस शासित कर्नाटक में सितंबर 2024 के दौरान 41.630 मिट्रिक टन डीएपी की जरूरत थी, जबकि उपलब्धता सिर्फ 23,367.96 मिट्रिक टन की ही थी। कांग्रेस शासित तेलंगाना में सितंबर के दौरान 20,000 मिट्रिक टन की जरूरत के मुकाबले 12,139.7 मिट्रिक टन की ही उपलब्धता रही। टीएमसी के शासन वाले पश्चिम बंगाल में सितंबर 2024 के दौरान 32,680 मिट्रिक टन की जरूरत के मुकाबले सिर्फ 27,830.61 मिट्रिक टन डीएपी पहुंचा। डीएपी का सियासी दांव

किसानों के मुद्दे सियासी तौर पर बेहद संवेदनशील होते हैं। इस वक्त गेहूं और सरसों की बुवाई चल रही है। ऐसे में इतनी महत्वपूर्ण खाद की शॉर्टेज से किसान परेशान हैं। डीएपी की किल्लत हुई तो विपक्ष ने सरकार को घेरने में देर नहीं लगाई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरसों, गेहूं और कुछ अन्य फसलों की खेती के लिए जरूरी डीएपी की कमी ने किसानों को लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया है। कई जगहों पर स्थिति गंभीर हो गई है और किसान विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हैं।

डीएपी के लिए आयात पर निर्भरता भारत में यूरिया के बाद सबसे ज्यादा खपत डीएपी की होती है। हर साल लगभग 100 लाख टन डीएपी की मांग है। जिसका अधिकांश हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है।

इसलिए आयात प्रभावित होते ही संकट बढने की संभावना बढ़ जाती है। साल दर साल डीएपी के लिए भारत की निर्भरता आयात पर बढ़ रही है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के मुताबिक साल 2019-2020 में हमने 48.70 लाख मिट्रिक टन डीएपी का आयात किया था, जो 2023-24 में बढ़कर 55.67 लाख मिट्रिक टन हो गई। साल 2023-24 में में डीएपी का घरेलू उत्पादन महज 42.93 लाख मिट्रिक टन था। संकट क्यों पैदा हुआ रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने अपने बयान में इस साल डीएपी संकट होने की वजह बताई है। सरकार ने कहा कि जनवरी से चल रहे लाल सागर संकट के कारण डीएपी का आयात प्रभावित हुआ, जिसकी वजह से उर्वरक जहाजों को केप ऑफ गुड होप के माध्यम से 6500 किलोमीटर की ज्यादा दूरी तय करनी पड़ी। इस तथ्य पर ध्यान दिया जा सकता है कि डीएपी की उपलब्धता कई भू-राजनीतिक कारकों से कुछ हद तक प्रभावित हुई है। जिसमें से एक यह भी है। उर्वरक विभाग द्वारा सितंबर-नवंबर, 2024 के दौरान डीएपी की उपलब्धता में वृद्धि करने के लिए प्रयास किए गए हैं। उधर, उर्वरक विभाग के मुताबिक डीएपी की कीमत सितंबर, 2023 में 589 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन से लगभग 7.30 फीसदी बढ़कर सितंबर, 2024 में 632 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन हो गई थी। हालांकि, अगर वैश्विक बाजार में डीएपी सहित पीएंडके उर्वरक की खरीद कीमत बढ़ती है, तो कंपनियों की खरीद क्षमता प्रभावित नहीं होती है। दाम बढने की बजाय कोविड काल से डीएपी की एमआरपी 1350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम बैग बरकरार रखी गई है। मांग-आपूर्ति में 2.34 लाख मिट्रिक टन का गैप दरअसल, देश के कई हिस्सों में इस समय डीएपी का जो संकट दिखाई दे रहा है उसकी शुरुआत सितंबर में ही हो गई थी।

आंकड़े बता रहे हैं कि डीएपी की जरूरत और उपलब्धता में तब 2.34 लाख मिट्रिक टन की भारी कमी थी। इसका असर अक्टूबर में भी देखने को मिला है। पुलिस के पहरे में डीएपी वितरण की जो तस्वीरें आ रही हैं उसकी तस्दीक मांग और आपूर्ति के आंकड़े कर रहे हैं। सितंबर 2024 में 9.35 लाख मिट्रिक टन की जरूरत थी जबकि उपलब्धता सिर्फ 7.01 लाख मिट्रिक टन की रही।

वक्फ बोर्ड की स्कॉलरशिप, के लिए इंदौर जिला के स्टूडेंट्स 12 नवंबर कर सकते है आवेदन

इंदौर। मध्यप्रदेश राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा शिक्षा निति पढ़ो-पढ़ाओ एवं राष्ट्र निर्माण में भागीदारी बनो के तहत पारित निर्णय के परिपालन में एवं वक्फ की मंशा दानकर्ता की इच्छा/शर्तों के अनुसार मुस्लिम गरीब छात्र-छात्राओं की शिक्षा में मदद के लिए पहल की है। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड द्वारा जिले में वक्फ संपत्तियों की प्रबंध व्यवस्था हेतु गठित जिला वक्फ कमेटी एवं प्रबंध समितियों द्वारा वर्ष 2023-24 में कक्षा 10वीं में 65त्न या उससे अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं की आर्थिक स्थिति कमज़ोर है, ऐसे छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश वक्फ कमेटी के अध्यक्ष सनवर पटेल ने यह जानकारी देते हुए बताया वक्फ बोर्ड द्वारा कक्षा 11वीं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं तथा नीट आदि की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं को मदद के रूप में स्कॉलरशिप मिलेगी। जिसके लिए जिला स्तरीय मेरिट के आधार पर भौतिक सत्यापन के पश्चात उनके शैक्षणिक संस्थान को बैंकिंग के माध्यम से दी जाएगी। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन फॉर्म एवं विस्तृत जानकारी मध्यप्रवेश राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा बनाये गये जिला इकाई कार्यालय नाहरशाह वली दरगाह, 1 चंदन नगर गौसिया मस्जिद में रफीक भाई डिस्क वाले, तुकोगंज मस्जिद वक्फ कमेटी दफ्तर पर, पर कार्यालयीन समय मे दोपहर 12 से 5 बजे तक आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 12 नवम्बर 2024 है। विस्तृत जानकारी के लिए जिला वक्फ कमेटी के अध्यक्ष रेहान शेख से मोबाइल नम्बर पर 9826222244 कर सकते हैं।

राठौर रॉयल्स ग्रुप द्वारा आयोजित सामूहिक भाईदूज पर्व में दिखा स्नेह व बंधन का अदभुत समागम

इन्दौर 3 नवंबर। भाई-बहन के स्नेह व बंधन का अद्भुत समागम रविवार को केसरबाग रोड़ स्थित विट्ठल रूकमणि गार्डन में दिखाई दिया। जहां एक साथ हजारों बहनों ने अपने भाईयों की आरती करने के साथ ही उनकी लंबी उम्र की भगवान से मंगल कामना की। शाम 6 बजे से शुरू हुआ सामूहिक भाईदूज पर्व मध्यरात्रि तक जारी रहा। जहां एक ओर समाज बंधु अन्नकूट महोत्सव की प्रसादी ग्रहण कर रहे थे तो वहीं दुसरी तरफ बहनों का अपने भाईयों के प्रति स्नेह का भाव देखते ही बन रहा था। शाम 6 बजे श्रीनाथजी की महाआरती के पश्चात अन्नकूट महोत्सव की भी शुरूआत की गई जिसमें हजारों श्रद्धालु ने प्रसादी ग्रहण की। प्रसादी के दौरान पदाधिकारियों द्वारा सभी आम से लेकर खास को थाली में झूठन नहीं छोडने का संदेश भी दे रहे थे। राठौर रॉयल्स सोशल ग्रुप संस्थापक राजेश राठौर, मनीष राठौर एवं राकेश राठौर ने बताया कि संस्था द्वारा तीन वर्षो से सामूहिक भाईदूज पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष इसे और भव्य स्वरूप दिया गया। जिसमें राठौर समाज के मालवी, मारवाड़ी व पद्मवंशीय इकाईयों के परिवारों को जोड़ा गया था, सभी परिवारों ने एक स्थान पर सामूहिक भाईदूज पर्व मनाते हुए समाज की एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ भी ली। शाम 5 बजे से गार्डन पर समाज बंधुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे पदाधिकारियों ने सभी परिवारों के एक-एक सदस्यों से पास लेकर सभी को आयोजन स्थल पर एंट्री दी। शाम 6 बजे भगवान श्रीनाथजी की विद्वान पंड़ितों के सान्निध्य व मुख्य अतिथियों के आतिथ्य में महाआरती की गई। महाआरती के दौरान छप्पन भोग भी समर्पित किए गए। वहीं इसके पश्चात सामूहिक भाईदूज पर्व का आयोजन शुरू हुआ।

जिसमें बहनों ने अपने भाईयों की आरती कर उनकी लंबी उम्र की मंगल कामना की। कार्यक्रम स्थल पर भोजन स्थल पर अलग-अलग सदस्यों को नियुक्त किया गया था ताकि किसी समाज बंधु को कोई असुविधा न हो। पदाधिकारियों द्वारा हर 15 मिनट के अंतराल से थाली में झूठन नहीं छोडने का संदेश भी दिया जा रहा था। पारंपरिक परिधान में पहुंची बहनें सामूहिक भाईदूज पर्व के दौरान बहनें पारंपरिक परिधान में शामिल हुई।

उन्होंने आयोजन स्थल पर ही अपने हाथों से पूजा की थाली सजाई एवं भाईयों की आरती उतारी। बहन व भाई के स्नेह के इस दृश्य को हर कोई अपने मोबाइल में कैद कर रहा था।

बहनों ने भाईयों के साथ आयोजन स्थल पर अपने मोबाइल से सेल्फियां भी ली। आयोजन स्थल पर मध्यरात्रि तक उपहार भेंट करने का सिलसिला भी जारी रहा।

3कई गंभीर बीमारियां दे सकता है प्लास्टिक

पुरुषों में स्पर्म की कमी के साथ लिवर भी हो सकता है डैमेज

इंदौर। प्लास्टिक का स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव- एक गंभीर चिंता प्लास्टिक, चाहे किसी भी प्रकार का हो, हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। हम में से अधिकांश लोग जब यात्रा करते हैं, तो बिना सोचे-समझे प्लास्टिक की बोतल और पाउच में भरा पानी खरीद लेते हैं, यह सोचने के बिना कि इसका हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत हर साल 35 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, और पिछले पांच वर्षों में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक कचरा उत्पादन लगभग दोगुना हो गया है। इस साल की शुरुआत में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि प्लास्टिक का उपयोग पर्यावरण के लिए एक बड़ी समस्या बन चुका है, जो हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में पाया गया कि जिन प्रतिभागियों ने पॉली कार्बोनेट की बोतलों से पानी पिया, उनके यूरिन में बिस्फेनॉल ए (बीपीए) का उच्च स्तर पाया गया। यह रसायन हृदय रोग और डायबिटीज की संभावना को बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब प्लास्टिक की बोतलें गर्मी के संपर्क में आती हैं, तो ये पानी में माइक्रो प्लास्टिक छोड़ती हैं, जो मानव शरीर में कई समस्याएं पैदा कर सकती हैं। इन सूक्ष्म प्लास्टिक कणों के बढ़ने से हार्मोन असंतुलन, बांझपन, और लिवर से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। प्लास्टिक की बोतलें हजारों वर्षों तक पर्यावरण में बनी रहती हैं, जिससे भूमि और जल प्रदूषण की समस्या बढ़ती है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि जीवों और पारिस्थितिकी तंत्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए, विशेषज्ञ लोगों से प्लास्टिक बोतलों के बजाय स्वास्थ्य के लिए लाभदायक विकल्पों का चयन करने का आग्रह कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करने से पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या कम हो सकती है और लड़कियों में जल्दी यौवन का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, बोतलबंद पानी का नियमित सेवन करने वाले व्यक्तियों में लिवर और ब्रेस्ट कैंसर का खतरा भी अधिक होता है। वर्तमान समय में, अधिकांश लोग घरों में पानी स्टोर करने के लिए प्लास्टिक की बोतलें ही प्रयोग कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि हम अपने स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अधिक सतर्क रहें। प्लास्टिक की जगह स्वास्थ्यवर्धक सामग्री से बनी बोतलों का उपयोग करें। यह न केवल हमारी सेहत के लिए बेहतर है, बल्कि हमारे पर्यावरण की रक्षा में भी सहायक होगा। हमें जागरूक रहना चाहिए और प्लास्टिक के नुकसानदायक प्रभावों को समझते हुए सही विकल्प चुनने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।

वायरल से पीड़ित बच्चों का बढ़ रहा सीआरपी लेवल

शरीर में इंफेक्शन होने पर बढ़ता है सीआरपी

इंदौर। वायरल बुखार से पीड़ित बच्चों का सीआरपी लेवल बढ़ा मिल रहा है। इससे 60 प्रतिशत बच्चे प्रभावित हैं। चिकित्सक सीआरपी लेवल बढने का कारण वायरल इंफेक्शन की प्रकृति में बदलाव बता रहे हैं। राजधानी के जेपी और हमीदिया अस्पताल के बाल व शिशु रोग विभाग में इस तरह की परेशानी से प्रभावित छह से सात बच्चे रोजाना पहुंच रहे हैं। बताते हैं कि कोरोना में भी संक्रमित लोगों में सीआरपी (सी-रिएक्टिव प्रोटीन) का लेवल बढ़ जाता था। चिकित्सक बताते हैं कि सीआरपी शरीर में इंफेक्शन होने पर बढ़ता है। लंबे समय तक बढ़ा रहने से इसका असर हृदय फेफड़े पर पहुंच सकता है। हाईग्रेड फीवर के साथ सीआरपी लेवल बढ़े हुए बच्चों या बड़ों पर सामान्य दवाएं उतना असर नहीं करती। जांच व लक्षणों के अनुसार एंटीबायोटिक दवाएं भी देनी पड़ रही हैं। सामान्य व्यक्ति में सीआरपी लेवल शून्य से छह मिलीग्राम प्रति लीटर होना चाहिए। शरीर में कोई इंफेक्शन होने पर सीआरपी लेवल बढ़ जाता है। सी-रिएक्टिव प्रोटीन टेस्ट से एक्यूट इन्फ्लमेशन का पता लगता है। वायरल ठीक होने में ले रहा समयवायरल के साथ सीपीआर बढ़ा आने के कारण बच्चों को ठीक होने से चार से सात दिन लग रहे हैं। साथ ही सीपीआर बढ़ा होने से लाल दाने निकलने, खुजली, चिड़चिड़ापन बच्चों में नजर आ रहा है। बच्चों के साथ वायरल फीवर परिवार के सदस्यों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। सीआरपी क्या है सी-रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) लीवर द्वारा बनाया जाने वाला प्रोटीन है। शरीर में सूजन होने पर सीआरपी का स्तर बढ़ जाता है। एक साधारण रक्त परीक्षण से सी-रिएक्टिव प्रोटीन के स्तर की जांच की जाती है। चिकित्सकों का कहना है कि वायरल बुखार से पीड़ित काफी बच्चों में सीपीआर बढ़ा हुआ मिल रहा है। सीआरपी लेवल बढ़ा होना सामान्यत: शरीर में किसी इंफेक्शन के होने का संकेत होता है। यह किसी भी तरह का हो सकता है। कई बार इंफेक्शन न होने पर भी लेवल बढ़ा हो सकता है। इसके कारण यूं ही एंटीबायोटिक दे दिया जाना उचित नहीं होता। जांच व आवश्यकतानुसार ही एंटीबायोटिक दिए जाते हैं।

सुने घर को चोरों ने बनाया निशाना, 8 लाख का माल ले उडे

पीछे के दरवाजे से घूसे बदमाश, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए तीन नकाबपोश

पिपलोदा । नगर में चोरों ने एक बार फिर चोरी की घटना को बेखौफ अंजाम दिया। नगर के एक सूने मकान को बदमाशों ने निशाना बनाया और लाखों की चोरी कर गया। शनिवार को धार जिले में एक शादी में परिवार सहित शिरकत करने गए नया बस स्टैंड़ क्षेत्र जाट मोहल्ला रोड स्थित निवासी रशीद शाह के सुने मकान में रात करीब 11 बजे अज्ञात बदमाशों ने मौके का फायदा उठाते हुए घटना को अंजाम दे दिया है।

पीड़ित मकान मालिक रशीद शाह ने बताया कि रविवार की रात 11 बजे घर आया तो देखा कि मकान का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ है। घर के सीसीटीवी कैमरे, 3 टीवी व अलमारी में तोड़ फोड़ कर दी। वहीं बदमाशों ने घर में घुसकर पूरा घर का सामान उथल पुथल कर दिया। वहीं घर में मेरे छोटे बेटे साहिल जो फोटो ग्राफी का काम करता है उसके ड्रोन, फोटो कैमरा, वीडियो कैमरा, गिम्बल सहित करीब 8 लाख के इलेक्ट्रॉनिक सामान बैग सहित चुरा ले गए। मेरी पत्नी मकान में ही कंगन स्टोर्स की दुकान भी संचालित करती है, बदमाश दुकान के गल्ले से भी करीब 15000 कीमत की नगदी भी ले उडे।

पहले बीड़ी पी, फिर पत्थर से ताला तोड़कर किया प्रवेश

मिली जानकारी मुताबिक घटना स्थल पर सब अस्त-व्यस्त होने के बावजूद सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर सुरक्षित मिला, जिसमें घर के पीछे बाहर लगे कैमरे में कुछ घटनाक्रम रिकॉर्ड हुआ है। रिकॉर्ड वीड़ियों के अनुसार बदमाशों ने घर के पीछे वाले दरवाजे को तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। सीसीटीवी वीड़ियों में पहले तीन बदमाश घर में घुसने की तरकीब लगाते हुए दिखाई दे रहे है जिसमें से एक के पास हाथ में पिस्टल दिखाई दी है। थाना प्रभारी प्रकाश गडरिया ने बताया तीनों बदमाश की उम्र 25 से कम होने की संभावना है वीडियो में चेहरे साफ नही दिखाई दे रहे हैं। बदमाशों ने पहले बीड़ी पी फिर पत्थर से ताला तोड़ा और घर में घुसे। करीब 2 घंटे तक अंदर रहे और वारदात को अंजाम दिया। सिर ढके होने के कारण चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दिया।

टीम गठित कर जांच में जुटी पुलिस

चोरी की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रकाश गडरिया पूरे दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। घटना स्थल का निरीक्षण किया। मामले में जांच अधिकारी इंद्रपाल सिंह राठौर ने बताया कि थाना प्रभारी प्रकाश गडरिया द्वारा गठित टीम जांच में जुटी है। रात में ही कायमी कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। सोमवार को फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है।

नवकार महामंत्र जाप के साथ जेएसजी गोल्ड़न का मिलन समारोह आयोजित

जावरा । जैन सोशल ग्रुप गोल्डन का दीपावली मिलन समारोह एवं नववर्ष श्री मनमोहन पार्श्वनाथ मंदिर उपाश्रय पर मनाया गया। यह आयोजन संस्था सदस्यों को एकत्रित करते हुए उनके बीच सामंजस्य बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। शुभारंभ नवकार महामंत्र जाप से किया।

श्री मनमोहन पार्श्वनाथ भगवान की महाआरती ग्रुप सदस्यों एवं मंदिर में पधारे धर्मालुजनों द्वारा की गई। इस मौके पर ग्रुप सदस्यों द्वारा देश की सुख सम्रद्धि की प्रार्थना कर संपूर्ण मानव समाज स्वस्थ व प्रसन्न रहे ऐसी कामना की। जिसके बाद ग्रुप दंपत्ति सदस्यों का दीपावली एवं नववर्ष मिलन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें दंपत्ति सदस्यों ने एक-दुसरे का मुह मीठा कराकर दीपावली की शुभकामनाए प्रेषित की। स्वागत भाषण ग्रुप अध्यक्ष निलेश कोठारी ने दिया।

मध्यप्रदेश इलेक्ट चेयरमेन राहुल चपडोद ने कहा कि ऐसे आयोजन से न केवल पारिवारिक बंधन मजबुत होते है बल्कि सामुदायिक सद्भावना भी बढती है। साथ ही सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सभी सदस्यों के लिए लक्की ड्रा का भी आयोजन किया। जिसमे अंकित-सुरभि ललवानी, तपन-प्रिया नाहटा, चिराग-गरिमा रुनवाल, लोकेन्द्र-रानू ओरा, चिराग-शुभि पटवा को पुरुस्कृत किया गया। महाआरती के लाभार्थी प्रतिक-सारिका रांका रहे।

इनकी रही उपस्थिति

इस मौके पर जितेन्द्र जैन, तपन नाहटा, विपुल मेहता, हिमांशु मेहता, अर्पित नाहटा, अंकित जैन, विपिन धारीवाल, चिराग रुनवाल, अमित मोगरा, नितिन दख, सुशील सुराना, चिराग पटवा, अंकित ललवानी, नीरज वया, लोकेन्द्र ओरा, संतोष पांचाल, नितिन रांका, सौरभ मेहता के साथ समता चपडोद, सोनु कोठारी, सारिका ओरा, प्रिया नाहटा, सरिता जैन, गरिमा रुनवाल, रेखा पांचाल, प्रतीक्षा रुनवाल, सुरभि दख, मीनाक्षी जैन, माधुरी सुराना, सुरभि ललवानी, कृतिका नाहटा, प्रियंका मेहता, प्रीति धारीवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

सगस बाऊजी मंदिर से करीब डेढ़ किलो चांदी हुई चोरी

जावरा । जिले के मंदिर इन दिनों बदमाशों के निशाने पर है। पिछले कुछ दिनों में ही आधा दर्जन से अधिक मंदिरों को चोर निशाना बना चुके है।

फोरलेन स्थित लुहारी फंटे के पास कैलाश बाबु सगस बाऊजी मंदिर पर बीती रात चोरों ने धावा बोला। चांदी का आधा किलों वजनी प्रतिमा पर लगा मुकुट सहित 7 से 8 चांदी के छत्र चोरी हो गए। समिति पदाधिकारियों ने औद्योगिक थाना जावरा पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। पूर्व सरपंच एवं मंदिर समिति अध्यक्ष बाबुलाल डांगी, दिनेश चौहान, धीरज सरगरा, प्रेमचंद गुजराती ने बताया सगस बाऊजी मंदिर पर करीब 600 ग्राम वजनी मुकुट बदमाश ले उडे। मन्नत के चढ़ाए गए करीब 7 से 8 छत्र भी ले गए। साथ ही दानपात्र में रखी करीब 2 हजार रूपये की नगदी भी ले गए। आईए थाने में शिकायत की है, पुलिस जांच में जुटी हुई है।

मार्केटिंग सोसायटी ने रोजाना में सोयाबीन केन्द्र का किया शुभारंभ

जावरा । मार्केटिंग सोसायटी जावरा द्वारा एसएस वेयरहाऊस रोजाना में सोमवार से सोयाबीन केन्द्र का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष पिंकेश मेहरा के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान सोयाबीन लेकर केन्द्र पर आए किसानों का तिलक लगाकर माला पहनाकर सम्मान किया। मेहरा ने इस दौरान भाजपा की प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्र सरकार की किसान हितेशी योजनाओं से किसानों को विस्तार से अवगत कराया। साथ ही केन्द्र व राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया कि भाजपा सरकार द्वारा किसान हितेशी नई-नई योजनाएं केन्द्र व राज्य में लागु की जा रही है, जिससे देश के अन्नदाता किसानों का तेजी से विकास हो रहा है तथा उनको फसल का उचित मुल्य प्राप्त हो सके। शुभारंभ मौके पर मार्केटिंग सोसायटी डायरेक्टर ईश्वरलाल पाटीदार, नंदकिशोर शर्मा के साथ तुलावटी संघ अध्यक्ष प्रमोद पंड़ित, हम्माल ठेकेदार सलीम बाबा, रईस खा, मार्केटिंग के दशरथसिंह चौहान, दिलीपसिंह पंवार, दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन अभिषेक बोरदिया ने तथा आभार प्रबंधक शिवकुमार द्विवेदी ने माना।

शोक निवारण कार्यक्रम में सादा भोजन बनाने पर भेंट किया सम्मान पत्र

ढोढर । बिना कारण के अनावश्यक खर्च समाज की बरबादी है। दहेज, टिका, मांस एवं मदिरा के नाम पर समाज गर्त की ओर तेजी से जा रहा है। खर्च वहां करें जहां आवश्यकता लगे, जब समय बदल रहा है तो हमारी सोच को भी बदलना होगा। समय के साथ चलने वाला ही प्रगति करता है, यह माना की रीती रिवाज को कायम रखना समाज की पहचान है इनसे समाज मे समन्वय स्थापित होता है और समन्वय समाज व राष्ट्र की ताकत है लेकिन इन निर्वहन मे आडंबर में दिखावा न हो। अनावश्यक खर्च मे कटोती करके जनहित या जरुरतमंदों के हित में लगाना चाहिए। सामाजिक रुडीवादिता समाज के लिए जिंदा जहर है इन्हे सकारात्मक सोच व रचनात्मक कार्य से ही समाप्त किया जा सकता है। अच्छे काम में उदाहरण बनना पडता है जिससे परिवर्तन आता नहीं लाना पड़ता है। उक्त विचार माननखेडा के भंवरसिंह, महेंद्रसिंह, नरेन्द्रसिंह सिसोदिया व यशवंतसिंह सिसौदिया सरपंच परिवार में ठॉ. महादेवसिंह सिसोदिया के शोक निवारण पगड़ी रस्म में वक्ताओं समाजजनों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर सिसोदिया परिवार ने शोक निवारण कार्यक्रम में मिष्ठान नही बना कर सादा भोजन बनाने पर सम्मान पत्र प्रदान किया। इस दौरान रामचरणसिंह, सुरेन्द्रसिंह, राजेन्द्र सिंह बाजखेडी, रिषीराजसिंह सुखेड़ा, चंदसिंह पंवार, भुवासा जनपद अध्यक्ष खाचरोद पृथ्वीराजसिंह, नेपालसिंह डोडिया, डॉ. गोपालसिंह भाटी मंदसौर सहित धंधोडा, पिंगराला, बरखेडी, धामनोद, रतलाम व आसपास के बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

सीएम डॉ. मोहन यादव गौ माता के प्रति संवेदनशील है:विधायक डॉ.राजेन्द्र पांडेय

जावरा । भारतीय संस्कृति में सदैव से गाय का महत्व रहा है। इसलिए हम गाय को गौ माता कहकर बुलाते हैं। दीपावली के त्यौहार के अंतर्गत हम उसी कड़ी में गोवर्धन पूजा कर अपनी आस्था, अपना समर्पण गौमाता के प्रति व्यक्त करते है। उक्त विचार मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड़ द्वारा गौ रक्षा वर्ष के अंतर्गत श्री गोपाल इफ्तेखार गौशाला एवं श्री कृष्ण गोपाल गौशाला बरखेड़ी व पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गोवर्धन पूजन कार्यक्रम में विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय ने व्यक्त किए। आपने कहा कि हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गौ माता के प्रति संवेदनशील है तथा इस क्षेत्र में कई कार्य कर रहे है, जो कि प्रशंसनीय है। हमें भागीदारी से गौशाला में सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम में गौशाला अध्यक्ष कैलाश विजयवर्गीय, सीनियर वेटेनरी सर्जन डॉ. पीसी कुशवाह, पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी डॉ.रूपेश मंडलोई, उपाध्यक्ष मोहन पटेल, रामविलास धाकड़, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा मंच पर उपस्थित थे। स्वागत पवन मोदी, नंदकिशोर महावर, अभय कोठारी, राजेन्द्र श्रोत्रिय, मनोहर पांचाल, प्रकाश मांदलिया, जगदीश कुमावत, बंकट धाकड़, मुकेश प्रजापत, घनश्याम सोलंकी, गायत्रीप्रसाद मंडलोई आदि ने किया।

शुभ मुहूर्त में हुआ नीलामी कार्य प्रारंभ, गेहु 3001 रूपये बिका

जावरा फोटो 9। दीपावली पर्व के चलते मंडी 26 अक्टुबर शुक्रवार से नौ दिन बंद रही। 4 अक्टुबर सोमवार को शूभ मुहूर्त में मंडी में आई सभी जिंसो का नीलामी कार्य प्रारंभ हुआ। नीलामी से पूर्व अरनियापीथा स्थित शहीद नरेन्द्रसिंह चंद्रावत कृषि उपज मंडी में सुबह 8 बजे सगस बाऊजी की महाआरती संपन्न हुई। बडी संख्या में व्यापारी सहित किसान शामिल हुए। इस दौरान महाप्रसादी वितरित की गई। 9.15 पर नीलामी कार्य प्रारंभ हुआ। इसी तरह खाचरोद नाका स्थित कृषि उपज लहसून मंडी में प्रातः 9 बजे महालक्ष्मीजी की आरती के बाद व्यापारियों का मिलन समारोह हुआ। 9.30 पर लहसून, प्याज का नीलामी कार्य प्रारंभ हुआ। सभी जिंसों में करीब 100 रूपये की तेजी देखी गई। नीलामी में गेहु की पहली ट्राली 3001 रूपये के भाव देवेन्द्र-शैलेन्द्र फर्म के जीतु गोखरू ने खरीदी की। गेहु की आवक करीब 2 हजार बोरी की रही। शुभ मूहुर्त में मैथी 5400 से 9500 रूपये बीकी। आवक 800 बोरी की रही। सोयाबीन 4400 से 4900 रूपये के भाव बिकी।

सोयाबीन की आवक करीब 5 हजार बोरी रही। नौ दिनी अवकाश के बावजूद भी अरनियापीथा तथा खाचरोद नाका स्थित लहसून मंडी मे सभी जिंसों की आवके सामान्य से भी कम रही।

डामरीकरण का कार्य प्रारंभ

रतलाम। नगर में सोमवार को वार्ड क्रमांक 7-8 वाल्मीकि बस्ती और इंदिरा गांधी बस स्टैंड पर मुख्यमंत्री अधोसंरचना चतुर्थ चरण के तहत डामरीकरण रोड का भूमिपूजन नगर परिषद अध्यक्ष चैतन्य शुक्ला ने अपनी उपस्थिति में नन्ही कन्याओं से पूजा अर्चना कर कराया। शुक्ला ने बताया कि डामरीकरण कार्य पूरी तरह से गुणवत्ता पूर्ण होगा जिसकी लागत 22 लाख 80 हजार रुपए होगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद चंदा-दिनेश पारगी, पूर्व पार्षद दिलीप डामर, एवं बद्रीलाल काग, रवि करोतिया, सूरज पाटीदार, सुरेश पाटीदार, शंकर गोसर आदि उपस्थित थे।

सैलाना मण्डी में मुहर्त में सोयाबीन 71001 रुपए क्विंटल में बिकी

सैलाना। नगर की कृषि उपज मंडी सैलाना में दिपावली अवकाश के बाद सोमवार को निलामी का कार्य विधिविधान के साथ शुभ मुहूर्त में किया गया। मंडी के भार साधक अधिकारी मनीष जैन और व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष इंद्रेश चंडालिया द्वारा मंडी परिसर स्थित सगज बाउजी मंदिर में पूजा कर आरती की गई। जिसके बाद प्रसादी के वितरण करने के पश्चात नीलामी कार्य प्रारंभ किया गया। नीलामी के लिए कृषि उपज लेकर आए कृषकों का स्वागत एवं सम्मान करने के बाद कृषि उपज की नीलामी की गई। जिसमे राधाकुआं निवासी भूरालाल द्वारा लाई गई सोयाबीन की नीलामी की गई। जो मुहूर्त भाव 7101 रुपए प्रति क्विंटल बिका,जिसे टाटा ट्रेडर्स ने खरीदा। कृषक दित्या निवासी बंजला का कपास 11511 रुपए बिका, जिसे नवरत्न ट्रेडर्स ने खरीदा। धामनोद निवासी कृषक मांगीलाल का गेहूं 4351 के भाव नीलम हुआ, जिसे पुष्कर लाल दिनेश कुमार ने खरीदा। पंचेड निवासी विनोद द्वारा लाई गई मेथी 7171 रुपए के भाव बिकी, जिसे फर्म ज्ञानमल श्रेणिक मल ने खरीदा। तो लहसुन 26001 के भाव बिकी। जो कृषक मोहम्मद हुसैन निवासी डेलनपुर की थी, जिसे मिताली ट्रेडर्स ने खरीदा। वही प्याज 6565 रुपए के भाव नीलम हुआ, जो मचून निवासी कृषक विजय की थी, जिसे प्रियेश ट्रेडर्स ने खरीदा। व्यापारी एसोसिएशन के सचिव पंकज सियार ने बताया कि प्रतिवर्ष इसी तरह दीवाली के बाद शुभ मुहूर्त में मंदिर में आरती के बाद नीलामी कार्य किया जाता है। इसी दौरान उपाध्यक्ष नवदीप मेहता, कोषाध्यक्ष आकाश चंडालिया, एसोसिएशन के प्रदीप चंडालिया, सुरेश पाटीदार, मनोज चंडालिया सहित बड़ी संख्या में व्यापारी तुलावटी किसान मौजूद थे। मंडी प्रशासन की ओर से मंडी इंस्पेक्टर विश्वाश जॉनमं,डी प्रांगण प्रभारी जितेंद्र डाबीरा, केश सिंगाड़, अभय लालवानी सहित मंडी कर्मचारी उपस्थित थे।

धोलावाड सहित क्षेत्र की नहरों को सफाई कराए

रतलाम। सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने क्षेत्र में स्थित धोलावाड़ डैम और सभी तालाबों की नहरों की सफ़ाई और मरम्मत की माँग उठाई। विधायक डोडियार ने कलेक्टर और जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा को लिखे पत्र में यह उल्लेख किया कि एक जहाँ बारिश थमे काफ़ी समय हो जाने के कारण ख़रीफ़ और रबी की फसल कपास और गेहूं आदि के लिए सिंचाई हेतु जल आपूर्ति की सख़्त आवश्यकता है वही दूसरी ओर क्षेत्र की एक मात्र मध्यम सिंचाई परियोजना सरोज सरोवर ढोलावाड़ डैम सहित सभी लघु सिंचाई तालाबों की नहरों में मिट्टी धँस गई है व झाड़ियाँ उग गई है जिसे साफ़ करना आवश्यक है। डोडियार ने आगे यह भी बताया कि आदिवासी बाहुल्य इलाक़ा है जहां ज़्यादातर किसान खेती पर निर्भर है ऐसे में टूटी फूटी क्षतिग्रस्त नहरों की तत्काल मरम्मत करने की माँग उठाई।

संगठन चुनाव के लिए भाजपा में मंडल चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति

रतलाम। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने जिले के सभी 24 मंडलों में चुनाव हेतु मंडल चुनाव अधिकारी नियुक्त किए है। ये नियुक्तियां जिला प्रभारी प्रदीप पाण्डे एवं जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय की सहमति से की गई है।

जिला मीडिया प्रभारी अरुण त्रिपाठी ने बताया कि रतलाम विधानसभा में दीनदयाल मंडल में राजेंद्र सिंह लुनेरा, ठाकरे मंडल में प्रदीप चौधरी, सूरजमल जैन मंडल में लाल बहादुर पाटीदार, मुखर्जी मंडल में राजेंद्र पाटीदार एवं अम्बेडकर मंडल में रतनलाल लाकड़ चुनाव अधिकारी बनाए गए है। रतलाम ग्रामीण के धराड़ मंडल में मनोहर पोरवाल, बांगरोद में शैलेन्द डागा, शबरी मंडल में नंदन राज जैन, चंद्रशेखर आजाद मंडल में शैलेन्द्र सिंह सिसोदिया, नामली मंडल में मनोज शर्मा, आलोट विधानसभा के आलोट में संगीता चारेल, जोगणिया माताजी में बाबूलाल कर्णधार, खरवाकला में बलवंत भाटी, ताल में सुनील सारस्वत, बड़ावदा में पिंकेश मेहरा चुनाव अधिकारी रहेंगे।

इसी प्रकार सैलाना विधानसभा के राजापुरा माताजी में संजय बंटी पितलिया, सरवन में अशोक पंड्या, सैलाना में नंदकिशोर महावार, बाजना में कीर्तिशरण सिंह, रावटी ने जयवंत कोठारी तथा जावरा विधानसभा के जावरा नगर में निर्मल कटारिया, जावरा ग्रामीण में क्रांति जोशी, सुखेड़ा में भूपेंद्र जायसवाल एवं पिपलौदा में कालू सिंह परिहार चुनाव अधिकारी बनाए गए है।

ढाबा संचालक समेत 4 पर केस दर्ज

दो महीने पहले खाना खाने के दौरान हुआ था विवाद, मेडिकल कॉलेज स्टूडेंट्स पर हो चुकी है एफआईआर

रतलाम।

डॉ. लक्ष्मीनारायण पांडेय मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स और ढाबा संचालक के बीच दो महीने पहले हुए विवाद में मेडिकल स्टूडेंट्स की शिकायत की जांच के बाद ढाबा संचालक समेत चार के खिलाफ पुलिस ने रविवार रात केस दर्ज किया।

पुलिस ने इसके पहले ढाबा संचालक की रिपोर्ट पर मेडिकल कॉलेज के 10 स्टूडेंट के खिलाफ केस दर्ज किया था। औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने विवाद में घायल मेडिकल स्टूडेंट संयम डांगी पिता मनीष डांगी की निवासी बाजार चौक सांवेर (इंदौर) की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की है। शिकायतकर्ता संयम डांगी ने पुलिस को बताया कि 31 अक्टूबर 2024 की रात करीब 10 बजे वह साथी सुमित जाटव, विजय परमार, महावीर सोलंकी, लोकेंद्र चौहान, आशीष सोलंकी, प्रतीक कौशल, यश परमार, कार्तिकेय सांवरिया, मनीष पंवार के साथ सेजावता बायपास स्थित द रायल ढाबा पर खाना खाने गए थे।

ढाबा संचालक रितिक राठौर को खाने का ऑर्डर दिया। प्रत्येक थाली के 150 रुपए तय किए। ढाबा संचालक ने सभी को थाली लगा दी। इस दौरान ढाबे पर दूसरे ग्राहक शराब के नशे में आपस में झगड़ते हुए संयम और उसके साथी के टेबल पर गिर गए, जिससे सभी का खाना जमीन पर गिर गया। संयम ने ढाबा संचालक रितिक राठौर से कहा कि हमारे लिए दूसरी थाली लगाओ और कोई अलग से पैसा तो नहीं लगेगा।

संचालक रितिक बोला कि तुम्हारी गलती नहीं है, इसलिए आपसे अलग से रुपए नहीं लेंगे। दोबारा खाना लगने के बाद सभी 10 दोस्तों ने खाना खाया। काउंटर पर 1500 रुपए नकद भुगतान किया। इस दौरान ढाबा संचालक रितिक और राजेश राठौर ने कहा कि प्रति थाली 300 रुपए देना पड़ेंगे।

हमने कहा कि पहले ही यह तय कर लिया था कि हमारी गलती से खाना जमीन पर नहीं गिरा है, तो हम

किस बात के प्रति थाली 300 रुपए दें। रितिक उसका मामा राजेश राठौर अभद्रता कर गाली-गलौच करने लगा। इस दौरान वह मारपीट करने लगे। मौके से संयम डांगी और उसके दोस्त भागकर कॉलेज पहुंच गए। इस दौरान उनके साथी कार्तिकेय की बाइक ढाबे पर रहने से वह दोस्तों के साथ रात 2 बजे जब ढाबे पर गया। ढाबे का नौकर लेखराज उन्हें देखकर भड़क गया। गाली-गलौच करते हुए लकड़ी लेकर मारने दौड़ा।

सभी वापस भागकर मेडिकल कॉलेज होस्टल पहुंचे। रात करीब 3 बजकर 5 मिनट पर कार क्रमांक आरजे-35 सीए-1708 में सवार होकर आरोपी ढाबा संचालक रितिक राठौर, राजेश राठौर, गौरव सोनी और नौकर लेखराज पहुंचे। कार से उतरने के दौरान आरोपियों के हाथ में लोहे की रॉड और पाइप थे। चारों आरोपी गाली-गलौच कर धमकाने लगे और संयम के हॉस्टल से बाहर आने पर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

इस दौरान हॉस्टल के अन्य स्टूडेंट्स ने बीचबचाव कर संयम डांगी को बचाया। आरोपियों ने इसके पूर्व संयम से लोहे के पाइप और राड से हमला कर उसे घायल कर दिया था। मामले में कॉलेज प्रशासन ने उक्त घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराया है।

मेडिकल कॉलेज डीन द्वारा भी पूरे घटनाक्रम की अलग से जांच कराई है। उसी प्रतिवेदन के आधार पर पुलिस ने आरोपी ढाबा संचालक रितिक राठौर, राजेश राठौर, गौरव सोनी और नौकर लेखराज के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 115(2), 296, 351(3) एवं 3(5) में केस दर्ज किया।

मेडिकल स्टूडेंट के खिलाफ हो चुकी है एफआईआर

घटना 31 अगस्त 2024 की रात को हुई था। घटना के बाद तत्कालीन एसपी राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देश पर तत्कालीन थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा ने ढाबा संचालक रितिक राठौर की शिकायत पर 10 मेडिकल स्टूडेंट के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया था। पुलिस ने सभी स्टूडेंट को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश किया था, जहां से उन्हें जमानत मिल गई थी। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ढाबे के अंदर विवाद के बाद बाहर मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट के हाथों में लट्ठ लेकर दिखे थे।

काम्बिंग गश्त : एसपी अमित कुमार के निर्देश पर रात भर चली आपराधिक तत्वों की धरपकड

रतलाम।

आपराधिक तत्वों के खिलाफ एसपी अमित कुमार की मुहिम लगातार जारी है। दीपावली ड्यूटी के तत्काल बाद एसपी अमित कुमार के निर्देश पर रतलाम पुलिस ने बीती रात काम्बिंग गश्त की।

पूरे जिले में पुलिस ने रात भर आपराधिक तत्वों को चेक किया एवं स्थाई और गिरफ्तारी वारंट तामिल कराए। रात 2.30 बजे अचानक एसपी अमित कुमार जांच के लिए दीनदयाल नगर थाने भी पहुंचे।

एसपी अमित कुमार के निर्देश पर बीती रात रतलाम पुलिस के 200 से अधिक जवान और अधिकारियों ने सड़कों पर उतरकर काम्बिंग गश्त की। इस दौरान 46 वारंटो को तामील कराया गया। जिले में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण के लिए एसपी अमित कुमार के निर्देश पर एएसपी राकेश खाखा के नेतृत्व मे यह कार्रवाई हुई।

स्थाई और गिरफ्तारी वारंट तामील कराए गए

रात भर चली काम्बिंग गश्त में कुल 46 वारंट तामील कराए गए। जिसमें 6 स्थाई वारंटी और 40 गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार किया गया। माणक चौक थाना क्षेत्र के कुल 3, स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के कुल 2, आईए रतलाम से 1, डीडी नगर थाने से कुल 4, बिलपांक थाना क्षेत्र से कुल 5, शिवगढ़ क्षेत्र से 4, रावटी थाना क्षेत्र से 4, जावरा शहर से सबसे अधिक कुल 13, कालूखेड़ा थाना क्षेत्र से 1, रिंगनोद थाना क्षेत्र से 2, पिपलौदा थाना क्षेत्र से 3, आलोट से 1, ताल से 2 और बरखेड़ा थाना क्षेत्र के 1 वारंटी को गिरफ्तार किया गया।

150 से अधिक बदमाशों को किया चेक

एसपी अमित कुमार के निर्देश पर हुई कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस की अलग-अलग टीमों ने 150 से अधिक गुंडे और बदमाशों को चेक भी किया और उन्हें अपराध नहीं करने की समझाइश दी। इस दौरान 5 जिला बदर,100 के लगभग हिस्ट्रीशिटर और गुंडे एवं जेल से रिहा हुए 60 लोगों को पुलिस ने चेक किया।

रात 2.30 बजे डीडी नगर थाने पहुंचे एसपी, बस स्टैंड और रेन बसेरे का भी किया निरीक्षण

एसपी अमित कुमार स्वयं भी रात में फील्ड में सक्रिय रहे। रात में एसपी बस स्टैंड और रेन बसेरों पर पहुंचे और वहां के रजिस्टरों को चेक किया। इसके बाद रात 2.30 बजे एसपी अचानक दीनदयाल नगर थाने पहुंचे। यहां एसपी ने कांबिंग गश्त के दौरान हुई कार्रवाई की जानकारी ली और हवालात का निरीक्षण किया। एसपी ने रात में मौजूद स्टाफ से भी चर्चा कर उनसे समस्याओं की जानकारी भी ली।

जोधपुर-बान्द्रा टर्मिनस के मध्य साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रतलाम। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर जोधपुर-बान्द्रा टर्मिनस के मध्य साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 04809 जोधपुर बान्द्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 04, 11 एवं 18 नवम्बर, 2024 सोमवार को जोधपुर से 16.30 बजे चलकर मंगलवार को 18.15 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन मंगलवार को 06.20 बजे रतलाम एवं 07.58 बजे दाहोद पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 04810 बान्द्रा टर्मिनस जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल 05, 12 एवं 19 नवम्बर, 2024 मंगलवार को बान्द्रा टर्मिनस से 20.00 बजे चलकर बुधवार को 21.15 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन गुरूवार को 04.18 बजे दाहोद एवं 6 बजे रतलाम पहुँचेगी इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में मेड़ता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, नावा सिटी, फुलेरा, जयपुर, सवाई माधोपुरी, कोटा, रामगंज मंडी, भवानी मंडी, रतलाम, दाहोद, गोधरा, वडोदरा, सूरत एवं बोरीवली रेलवे स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इस ट्रेन में सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेनों के ठहराव समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiræy .indianræail .gàæv.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

हिसार पुणे के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रतलाम। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर हिसार से पुणे के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 04723 हिसार पुणे स्पेशल 10 एवं 17 नवम्बर 2024 रविवार को हिसार से 05.50 बजे चलकर सोमवार को 11.30 बजे पुणे पहुँचेगी। यह ट्रेन रविवार को 20.18 बजे नागदा एवं 21.00 बजे रतलाम स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 04724 पुणे हिसार स्पेशल 04, 11 एवं 18 नवम्बर 2024 सोमवार को पुणे से 14.30 बजे चलकर अगले दिन मंगलवार को 22.30 बजे हिसार पहुँचेगी। यह ट्रेन मंगलवार को 05.35 बजे रतलाम एवं 07.08 बजे नागदा पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में सादुलपुर, लोहारु, चिड़ावा, झुन्झुनू, नवलगढ़, सीकर, रिंगस, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, कोटा, भवानीमंडी, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, वसई रोड, कल्याण, कर्जत एवं लोनावला स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन एलएचबी रेक से चलेगी जिसमें सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेनों के ठहराव समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiræy.indianræail.gàæv.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पेंशनर एसोसिएशन ने फेडरेशन के महामंत्री का अभूतपूर्व सम्मान स्वागत किया

रतलाम।

पेंशनरों के पक्ष में दिए गए न्यायालय के प्रकरणों पर भारत सरकार रेलवे बोर्ड आदेश करने में विलंब कर रही है हमारा यह कहना है कि निर्णय सभी पर एक साथ लागू हो, एरियर का भुगतान हो यह नहीं की जो कोर्ट में जाए उसे ही मिले सभी को भुगतान हो इस पर शीघ्र ही रेलवे बोर्ड पर बैठक है और हम चाहेंगे कि यह सभी पेंशनर्स साथियों को न्यायालय के निर्णय के अनुसार भुगतान एरियर सहित हो। जहां तक अन्य मुद्दे जो हमारे बीच है विशेष रूप से दिसंबर माह में रेलवे मान्यता को लेकर होने वाले वाले चुनाव उस पर फेडरेशन एवं उससे संबंधित सभी यूनियन एक बार पुनर्विजय इतिहास दोहराएगी और हम रेल कर्मियों के विश्वास को प्राप्त करेंगे। फेडरेशन एकमात्र संगठन है जो जीवित संगठन है और रेल कर्मियों और पेंशनरों की समस्याओं को लेकर हमेशा अपनी भूमिका निभाता हैं हमने पेंशनरों के लिए भी ऑल इंडिया रिटायर्ड पेंशनर्स वेलफेयर फेडरेशन का गठन किया है जिसकी गतिविधियां भी फेडरेशन के साथ चल रही है।

उपरोक्त विचार ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन एवं ऑल इंडिया रिटायर्ड पेंशनर्स वेलफेयर फेडरेशन के महामंत्री कामरेड शिवगोपाल मिश्रा ने रविवार रात्रि पश्चिम एक्सप्रेस से दिल्ली जाते समय वेस्टर्न रेलवे ऑल इंडिया रिटायर्ड पेंशनर्स वेलफेयर फेडरेशन रतलाम मंडल एवं सेंट्रल गवर्नमेंट एवं रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के रेलवे स्टेशन पर किए गए भव्य स्वागत के अवसर पर पेंशन साथियों को एवं यूनियन पदाधिकारी को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश व्यास वरिष्ठ सलाहकार आई एल पुरोहित, रामखेलावन कुमायूं, यूनियन के मंडल अध्यक्ष नरेंद्रसिंह सोलंकी मंडल मंत्री मनोहरसिंह बारठ,श्रीमती नमिता कुमायूं पेंशनर साथी रमेश चंद्र शुक्ला, की आर मारू, ओम प्रकाश शर्मा, सुभाष चंद्र, दशरथ शर्मा, मनोहर सोलंकी, सुधीरकांत दुबे, यू एल जायसवाल, रमेशचंद्र सी, आरएस झाला सहित यूनियन पदाधिकारी एवं पेंशनर्स उपस्थित थे।

न्यायोत्सव: विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

रतलाम।

माननीय राज्य प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 4 नवंबर से 9 नवंबर तक न्यायोत्सव- विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों के आयोजन किया जाना है।

सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर प्रथम दिवस 4 नवंबर को प्रातः 11 बजे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष उमेश पाण्डव की अध्यक्षतामें एवं विशेष न्यायाधीश प्रयागलाल दिनकर, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, रतलाम रामजी गुप्ता, सचिव एवं जिला न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम संजय कुंमार जैन, जिला न्यायाधीश आदित्य रावत, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो श्रीमती नीलू संजीव श्रृंगीऋषि, निर्मल मंडोरिया, जिला न्यायाधीश आशीष श्रीवास्तव, अरविन्द श्रीवास्तव, राजेश नामदेव जिला न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मयंक मोदी, न्यायाधीश सुश्री सपना कनोडिया, श्रीमती मुग्धा कुमार, अतुल श्रीवास्तव, सुश्री प्रगति असाटी न्यायाधीशगण, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजीव उबी आदि की उपस्थिति में ए.डी.आर. सेंटर, जिला न्यायालय परिसर रतलाम से बाईक रैली के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त रैली के शुभारंभ के समय समस्त न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारीगण एवं अधिकारीगण,पुलिस प्रशासन,

होमगार्ड, विधि महाविद्यालय के छात्रगण, पैरालीगल वालेंटियर्स, लीगल एड डिफेंस काउसेंल के अधिवक्तागण शामिल हुए और रैली के समय अपने हाथों में विधिक जागरूकता, मीडिएशन, लोक अदालत आदि के स्लोगन की तख्ती लेकर संपूर्ण शहर रतलाम में पंपलेट्स वितरित किये गये। उक्त रैली को मुख्य चैराहों से होते हुए जिला न्यायालय, रतलाम पर समापन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों के लिए कानूनी जागरूकता से अवगत कराना था।

जिले की तीनों जेलों (सर्किल जेल रतलाम, उपजेल जावरा एवं सैलाना) में न्यायाधीशगण के साथ-साथ पीएलव्ही एवं पैनल अधिवक्ता, एलएडीसीएस की टीम गठित कर विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें बंदियों के अधिकार एवं उनको दी जाने वाली विधिक सहायता के बारे में जानकारी ली एवं उनकी समस्याओं को सुना तथा समाधान बताये गये। न्यायोत्सव- विधिक सेवा सप्ताह जिसमें विधिक सेवा योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं उक्त योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में विहित प्रक्रिया की जानकारी जनसामान्य तक न्याय की पहुंच सुनिनिश्चत करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम एवं तहसील विधिक सेवा समिति, जावरा, सैलाना एवं आलोट द्वारा साप्ताहिक जागरूकता/साक्षरता कार्यक्रमों की श्रृंखला में 4 से 9 नवंबर तक प्रतिदिन विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये जाना है। उक्त कार्यक्रमों में समस्त पीएलव्ही., पैनल लॉयर्स एवं एलएडीसी, न्यायालयीन/विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा विधिक सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे स्थानीय एन. जी. ओं. एवं स्वयंसेवी संगठनों के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित करते हुए विधिक जागरूकता हेतु मैराथन दौड़ मुख्यालय स्तर पर विधिक सेवा प्रदर्शनी के माध्यम से विधिक सेवा सप्ताह कार्यक्रम का समापन 9 नवंबर को किया जाना है। आज जिले के समस्त वृद्धाश्रमों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं वरिष्ठजनों के कानूनी अधिकारों के बारे जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

श्रद्धा कपूर ने दीपावली पर छोले-पूरी का आनंद लिया

दीपावली का त्योहार बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने बड़े धूमधाम से मनाया। एक्ट्रेस ने इस अवस र पर अपनी खाने की एक फोटो सोशल मीडिया पर साझा की। श्रद्धा ने इस फोटो के साथ लव आई इमोजी का इस्तेमाल किया। इस फोटो में उन्होंने छोले, पूरी, पनीर भुर्जी और मसालेदार प्याज के साथ अपना दीपावली का खाना दिखाया। सोशल मीडिया पर एक सवाल-जवाब सेशन के दौरान, एक फैन ने मजाक करते हुए कहा कि चूंकि श्रद्धा सिंगल हैं, इसलिए वह प्याज खा सकती हैं। इस पर उन्होंने अपनी हंसती हुई फोटो शेयर की और इसे हंसी वाले इमोजी के साथ कैप्शन दिया। श्रद्धा ने फिर मसालेदार प्याज की फोटो शेयर करते हुए अपने फैंस से पूछा कि क्या उन्हें खाने के साथ प्याज पसंद है। एक यूजर ने जवाब में कहा कि प्याज आलू और समोसे की तरह है, जिस पर श्रद्धा ने सहमति जताते हुए लिखा, मैं आपकी बात से सहमत हूं।

चचेरी बहन के साथ रानी मुखर्जी ने मनाया काली पूजा का त्यौहार

बीते दिनों काली पूजा का त्योहार बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने अपनी चचेरी बहन तनिषा मुखर्जी के साथ मनाया। इस समारोह में उनकी करीबी दोस्त काजोल भी शामिल हुईं। इस अवसर पर दोनों बहनें बेहद खूबसूरत नजर आईं। एक्ट्रेस रानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह बैंगनी रंग के भारतीय परिधान में नजर आ रही हैं, जिसमें सुनहरे और सफेद रंग की डिटेलिंग की गई है। इस वीडियो में रानी, काजोल की छोटी बहन तनिषा और अन्य दोस्तों के साथ पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। काली पूजा, हिंदू देवी काली को समर्पित है, जिसे हिंदू कैलेंडर के अश्वयुज या कार्तिक महीने की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार विशेष रूप से पश्चिम बंगाल, मिथिला, झारखंड, ओडिशा, असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। पिछले महीने दुर्गा पूजा के दौरान भी रानी, काजोल और तनिषा को एक साथ देखा गया था। इस दौरान, बहनों को सिंदूर खेला जैसे शुभ कार्यक्रम का हिस्सा बनते हुए देखा गया था। रानी मुखर्जी की पेशेवर जिंदगी की बात करें तो वह जल्द ही मर्दानी के नए भाग में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की घोषणा 22 अगस्त को की गई थी। यश राज फिल्म्स के प्रोडक्शन हाउस ने यूट्यूब पर एक टीजर जारी किया है, जिसमें पहले भाग की कहानी को आगे बढ़ाया गया है। मर्दानी 2014 में रिलीज हुई थी, और इसका दूसरा भाग मर्दानी 2 2019 में आया था।

राणामंडला का अदोनी में लॉन्च

पीपल मीडिया फैक्ट्री की 46वीं फिल्म राणामंडला का शुभारंभ अदोनी के पवित्र राणामंडला अंजनेया मंदिर में वैदिक मंत्रों और आशीर्वादों के बीच किया गया। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरुआत करते हुए फिल्म के शीर्षक और फर्स्ट लुक का अनावरण किया गया।राणामंडला एक्शन, भावनाओं और पौराणिक कथाओं से भरपूर एक अनोखी कहानी वाली फिल्म होगी, जो मंदिर के महत्व से प्रेरित है। इस फिल्म की स्क्रिप्ट 2022 से तैयार है और इसे अखिल भारतीय दर्शकों को ध्यान में रखकर बारीकी से बनाया गया है।एक साहसी कदम उठाते हुए, पूरी फिल्म अदोनी और उसके आसपास के क्षेत्रों में शूट की जाएगी, जिससे इस क्षेत्र की अनछुई फिल्म निर्माण क्षमता का प्रदर्शन होगा।

कार्तिक आर्यन का डरावना अनुभव

भूल भुलैया 3 के प्रमोशन के दौरान कार्तिक आर्यन ने एक अजीब और डरावना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान एक पुरानी हवेली में काम कर रहे थे, जहां उन्होंने एक अलौकिक घटना का सामना किया। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के खास दिवाली एपिसोड में कार्तिक ने कहा, सेट पर अंधेरा था और माहौल बहुत डरावना था। एक शॉट के लिए तैयारी कर रहा था, तभी अचानक मुझे पीछे से स्क्रैच किया गया। तृप्ति ने सोचा कि मैं अभिनय कर रहा हूं, लेकिन मैं सच में डरा हुआ था क्योंकि मेरे पीछे कोई नहीं था। इस घटना ने न केवल कार्तिक को चौंका दिया, बल्कि यह सुनने में भी रोमांचक था। उन्होंने कहा कि यह डरावना अनुभव शूटिंग के दौरान हुआ और इससे पूरे टीम का ध्यान भंग हुआ। भूल भुलैया 3 के इस दिलचस्प एपिसोड में दर्शकों को न केवल हास्य मिलेगा, बल्कि भूतिया कहानियों का भी सामना करना पड़ेगा। कार्तिक के इस अनुभव ने शो को और भी दिलचस्प बना दिया है, जो कि दिवाली स्पेशल के तौर पर पेश किया जाएगा।

दिवाली पर एक शख्स ने मृणाल संग बनाया एडिटेड वीडियो

हाल ही में दिवाली के मौके पर इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक शख्स मृणाल ठाकुर के साथ दिवाली मनाते हुए नजर आया। हालांकि, यह वीडियो एडिटेड था, जिस पर पहले तो एक्ट्रेस भड़कीं और कमेंट करते हुए उस व्यक्ति की फटकार लगाई थी। लेकिन कुछ ही घंटे बाद मृणाल ने अपना कमेंट डिलीट कर दिया और फिर मजाकिया अंदाज में तंज कसा। मृणाल ठाकुर ने अपनी इंस्टा स्टोरी में एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, चलो, मैंने किसी के साथ तो दिवाली मनाई। लेकिन जब मैंने देखा कि इन्होने और एक्ट्रेसेस के साथ भी वीडियो एडिट किए हैं, तो मेरा दिल ही टूट गया। खैर, कोई बात नहीं... आशा है कि आप एक दिन सच में बड़ी फिल्में एडिट करेंगे!

भूल भुलैया 3 की एक्ट्रेस का दर्द

एक्ट्रेस रोज सरदाना ने टेलीविजन से करियर की शुरुआत की, लेकिन उन्हें सक्सेस नहीं मिली। तंग आकार एक्ट्रेस ने टीवी छोड़, फिल्मों के लिए कोशिश शुरू की। 'दृश्यम 2' और 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी रोज सरदाना की फिल्म 'भूल भुलैया 3' रिलीज हुई है। पिछले दिनों एक्ट्रेस ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। पेश है कुछ खास अंश... अब तक बहुत ही अनुभव भरा सफर रहा है। मुंबई जैसे शहर में बहुत ही उतार-चढ़ाव रहे हैं। मैंने फिल्मों के बारे में कभी नहीं सोचा था। मुझे लगता था कि फिल्मों की दुनिया बहुत ही अलग है। इसलिए मैं टेलीविजन में ही करियर बनाना चाह रही है, लेकिन टेलीविजन में कभी सफल नहीं रही। मुझे या तो शो से निकाल दिया जाता था, या फिर रिप्लेस कर दिया जाता था। मुंबई आने के दो महीने के बाद ही मुझे बालाजी टेलीफिल्म्स के शो 'मेरी आशिकी तुमसे ही' में मौका मिला। मैं बहुत खुश थी, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि शूटिंग कैसे होती है? पहला शॉट देते वक्त बहुत नर्वस थी। उस शो को अनिल सर (अनिल वी कुमार) डायरेक्ट कर रहे थे। वो इतना डांटने लगे कि मैं रोने लगी थी। दो महीने के बाद मुझे शो से निकाल दिया गया।

फिल्म राणामंडला का शुभारंभ

पीपल मीडिया फैक्ट्री ने अपनी 46वीं फिल्म राणामंडला का शुभारंभ अदोनी के राणामंडला अंजनेया मंदिर में वैदिक मंत्रों के बीच किया। इस अवसर पर फिल्म के शीर्षक और फर्स्ट लुक का अनावरण किया गया। निर्माता टीजी विश्व प्रसाद, जो गुणवत्तापूर्ण फिल्म निर्माण के लिए जाने जाते हैं, ने इस फिल्म को लॉन्च करने के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मैं हमेशा से अदोनी की सुंदरता और इसकी फिल्म निर्माण क्षमता को दर्शाना चाहता था। यह प्रोजेक्ट मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। राणामंडला एक एक्शन, भावना और पौराणिक कथाओं से भरपूर कहानी पेश करेगी, जो मंदिर के महत्व से प्रेरित है। फिल्म की स्क्रिप्ट 2022 से तैयार की गई है और इसे अखिल भारतीय दर्शकों को ध्यान में रखकर बारीकी से विकसित किया गया है। इस साहसी प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी तरह से अदोनी और उसके आसपास के क्षेत्रों में की जाएगी, जिससे इस क्षेत्र की अनछुई फिल्म निर्माण क्षमता का प्रदर्शन होगा। इस फिल्म का लक्ष्य न केवल मनोरंजन करना है, बल्कि दर्शकों को अदोनी की सांस्कृतिक धरोहर से भी परिचित कराना है।

शाहरुख के जन्मदिन पर जारी हुआ 'फौजी 2' का ट्रेलर

अभिनेता शाहरुख खान ने अपने आगामी शो 'फौजी 2' का ट्रेलर लॉन्च किया गया। शो में गौहर खान, विक्की जैन और कई नए कलाकारों की कास्टिंग की गई है। शाहरुख ने अपने जन्मदिन के खास मौके पर शो का ट्रेलर जारी कर अपने प्रशंसकों एक और तोहफा दिया है। 'फौजी 2' का प्रसारण 18 नवंबर से हर सोमवार से गुरुवार रात 9 बजे दूरदर्शन पर किया जाएगा।ट्रेलर की शुरुआत गौहर खान के साइकिल चलाते हुए एक सीन से होती है, जिसके बाद दर्शकों को बॉक्सिंग, तैराकी, हैवी जिम वर्कआउट और बाइक रेसिंग जैसे विभिन्न खेलों में जवानों की चुनौतियों का सामना करते हुए दिखाया गया है। यह शो शाहरुख खान के मूल शो 'फौजी' का सीक्वल है, जो भारतीय टेलीविजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। गौहर खान ने शो के बारे में बात करते हुए कहा, इस तरह की रचनात्मक टीम के साथ मिलकर हमारे समय के प्रतिष्ठित शो में से एक बनाने से ज्यादा खास कुछ नहीं हो सकता। मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं, जिसने कई दिलों को छुआ है।

दिवाली पार्टी में शामिल नहीं हुए गोविंदा

हर साल की तरह इस बार अभिनेता गोविंदा दिवाली पार्टी में शामिल नहीं हो पाए। उन्हे डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी थी। यह जानकारी सोशल मीडिया पर उनकी पतनी सुनीता गोविंदा ने दी है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उनकी पत्नी सुनीता गोविंदा के स्वास्थ्य के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने गोविंदा गलती से अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली चलाकर घायल हो गए थे। इस वीडियो में सुनीता को अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ पैपराजी के सवालों का जवाब देते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने कहा, सर एकदम ठीक हैं। डॉक्टर ने उन्हें आराम करने का बोला है, इसलिए वह इस साल दीपावली नहीं मना रहे हैं, सिर्फ मैं बच्चों के साथ मना रही हूं।

नीना डोबरेव ने की सगाई की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर

एक और फेमस एक्ट्रेस ने अपनी सगाई की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की हैं। ये हसीना और कोई नहीं बल्कि द वैम्पायर डायरीज फेम नीना डोबरेव है। अपनी शादी की जानकारी खुद नीना ने पोस्ट शेयर करके दी है। एक्ट्रेस की सगाई से फैंस खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। इस खास मौके पर हॉलीवुड स्टार ने ब्लैक कलर की ड्रेस के साथ ट्रांसपेरेंट स्टॉकिंग्स पहनी हुई थी। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि शॉन व्हाइट ने बहुत ही शानदार तरीके से नीना को शादी के लिए प्रपोज किया है दोनों साथ में बेहद अच्छे लग रहे हैं। नीना ने प्रपोजल की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा-बॉयफ्रेंड, हेलो मंगेतर। नीना डोबरेव के अलावा शॉन व्हाइट ने भी सोशल मीडिया पर प्रपोजल की फोटो पोस्ट की है, जिसमें वो अपने घुटने के बल बैठकर एक्ट्रेस को प्रपोज कर रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा-उसने हां कह दिया।

शहनाज गिल का दीवाली लुक बना चर्चा का विषय

एक्ट्रेस शहनाज गिल इन दिनों अपने स्टाइल और लुक्स के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं। पंजाब की कैटरीना के नाम से मशहूर शहनाज ने हाल ही में दीवाली के मौके पर एक शानदार फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। तस्वीरों में शहनाज एक टाइट चोली और लहंगा पहने नजर आ रही हैं, जिसमें उनका लुक बेहद स्टनिंग है। उन्होंने मिनिमल मेकअप और न्यूड लिप्स के साथ अपने इस लुक को पूरा किया है, जो उनके फैशन सेंस की तारीफ कर रहा है। काम की बात करें तो शहनाज गिल का हाल ही में राजकुमार राव के साथ एक म्यूजिक वीडियो सजना वे सजना रिलीज हुआ है। यह गाना राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का चौथा ट्रैक है, जिसमें शहनाज की परफॉर्मेंस ने सभी का ध्यान खींचा। इसके अलावा, वह जल्द ही वरुण शर्मा के साथ सब फर्स्ट क्लास में भी नजर आने वाली हैं।

राग दरबारी

एक हत्यारे का इंटरव्यू

एंकर- नमस्कार! हमारे स्टूडियो में आपका स्वागत है। आदरणीय हत्यारे साहब जी! आपने जिंदगी में एक से बढ़कर एक मर्डर किए। तो बताइए आपने कहां से शुरुआत की, और कैसे यहां तक पहुंचे? हत्यारा- जी धन्यवाद! यह सफर बहुत आसान नहीं था। मैं एक छोटे शहर में पैदा हुआ, जहां गरीबी, अपराध और असफलता मेरी जिंदगी का हिस्सा थे। मेरी शुरुआत छोटी-मोटी चोरियों से हुई थी। मेरे दादाजी चाहते थे कि मैं जल्दी ही बड़ा मर्डर करके अपना नाम कमाऊं।

एंकर- छोटी-मोटी चोरी से लेकर हत्या तक का सफर... यह बदलाव कैसे हुआ? हत्यारा- मेरे दादाजी ने मुझे जीवन में कुछ नया करने के लिए जज्बा दिया। दादाजी तीन बार ग्राम प्रधानी की राजनीति कर चुके थे। वे हमेशा मुझे मर्डर करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। हमारे खानदान में यही था, तो मैं जल्दी ही चाकू पर धार लगाना सीख गया।

एंकर- आपने परिवार में राजनीति का जिक्र किया। क्या आपको लगता है कि परिवार और राजनीतिक ताकत ही सबसे बड़ी चीज है? हत्यारा- बिल्कुल। अगर आपके पास परिवार और राजनीतिक ताकत है, तो लोग आपको इज्जत देंगे, आपका डर मानेंगे। राजनीतिक ताकत के लिए मैंने अपने अंदर के इंसान को खत्म किया। मुझे हमेशा अपने काम में तरक्की की चाह थी। इसके लिए मैंने अपने उसूल खुद बनाए।

एंकर- आपकी जिंदगी में सबसे बड़ा मोड़ क्या था?हत्यारा- मेरा पहला बड़ा ऑफर था एक नेता का मर्डर! पहले डर लगा, लेकिन जब मैंने काम किया और उसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया, तो मुझे लगा कि मैं इससे भी बड़े काम कर सकता हूँ। उसी दिन से मेरी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया। पैसे और पहचान बढ़ने लगी। फिर हर काम के बाद आत्मविश्वास बढ़ता गया। जेल में रहकर भी मैं यह काम आसानी से करने लगा।

एंकर- क्या आपको कभी अपने किए पर पछतावा हुआ?

हत्यारा- पछतावा? नहीं, मैंने अपने उसूल खुद बनाए। जिंदगी का सिर्फ एक नियम माना- कभी पीछे मत देखो। जो किया, उस पर अफसोस नहीं। हाँ, कभी-कभी अकेलापन महसूस होता है। लेकिन पछतावा? नहीं। मेरे लिए यह सफर आगे बढ़ने का तरीका है।

एंकर- आपके अनुसार, इस %प्रोफेशन% में सफलता कैसे मिलती है? हत्यारा- इस लाइन में सफलता का मतलब है- लोग आपका डर मानें, आपके नाम से कांपें। इसके लिए आपको मानसिक और राजनीतिक ताकत के रूप से मजबूत होना जरूरी है। यह एक बड़ी राजनीति का खेल है, जिसमें अगर आप जीते तो आपको सोने का ताज मिलेगा और हारे तो... खून से सना हाथ।

एंकर- आपके विचार सुनकर समझ आया कि आपने एक अलग ही दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। हमारे दर्शकों को आपका कोई संदेश! हत्यारा- हाँ! मैं केवल अकेला ही हत्यारा नहीं हूं। देश-दुनिया में ऐसे नेता लोग बैठे हैं, जो संसद में बैठकर लोगों के सपनों की हत्या करते हैं। जनता की भावनाओं को मारते हैं। उनकी इच्छाओं का खून करते हैं, मैं तो केवल इंसान का खून करता हूं। मेरा खून करना बहुत छोटा सा काम है। मैं भी इन नेताओं की तरह अब तरक्की करना चाहता हूं। कहीं से किसी पार्टी का टिकट मिल जाए बस्स!

रामविलास जांगिड़, 18, उत्तम नगर, घूघरा, अजमेर (305023) राजस्थान

कटाक्ष

आमदनी अठ्ठनी

इनको देखा उनको देखा सबको देखा हैं
आजादी से अब तक हमने सबको परखा हैं

कर्ज़ के बोझ से दबा हुआ हरिया काका हैं
मूल तो मूल ब्याज से मिला नहीं छुटकारा हैं

महाजन की बही के सामने रोज़ झुकता हैं
इनको देखा उनको देखा सबको देखा हैं

प्रशासन में बैठ गये इतने सारे केकड़े
खाने के नाम पर है इनके मजबूत जबड़े

चारों तरफ देखो अब इनकी ही चरचा हैं
इनको देखा उनको देखा सबको देखा हैं

बातें तो करी आकर सबने ऊंची उड़ान की
मगर रक्षा कर नहीं पाये इस पुख्ता मकान की

तरक्की के नाम पर खाली खाली परचा हैं
इनको देखा उनको देखा सबको देखा हैं

लिक से हटकर कोई भी अब तक नहीं चला हैं
विरासत में मिली व्यवस्था उससे नही हटा हैं

आमदनी अठ्ठनी जिसका खर्चा रुपया हैं
इनको देखा उनको देखा सबको देखा हैं

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.)
457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

मध्य प्रदेश भाजपा का कौन होगा 'अध्यक्ष'?

जल्द होगा नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान

इंदौर। मप्र में भाजपा अब जल्द ही अपना नया प्रदेश अध्यक्ष चुनने वाली है। बस राज्य के दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने के बाद। बुधनी और विजयपुर में उपचुनाव हो रहा है, जिसके नतीजे 23 नवंबर को सामने आएंगे। इसके बाद भाजपा संगठन की चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। भाजपा अपना नया प्रदेश अध्यक्ष सूबे की जातीय समीकरण को साधते हुए चुनेगी। पार्टी दो फॉर्मूले पर चुनाव करा सकती है। पहला फॉर्मूला यह है कि जातिगत समीकरण और दूसरा फॉर्मूला है क्षेत्रीय संतुलन।

जानकारी के अनुसार मप्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का फैसला दिसंबर के पहले सप्ताह में हो जाने की उम्मीद है। 23 नवंबर को दो विधानसभा सीट बुधनी एवं विजयपुर उपचुनाव के नतीजे भी घोषित हो जाएंगे। इसके अलावा संगठनात्मक चुनाव के तहत बूथ, मंडल एवं जिला अध्यक्ष के चुनाव भी संपन्न हो जाएगे। इसके बाद पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव करवा सकती है। आम सहमति से अध्यक्ष चुनाव हो जाता है है तो उसके नाम की घोषणा हो जाएगी।

इसके लिए जिन लोगों के नाम चल रहे है उनमें कुछ प्रदेश संगठन में पदाधिकारी तो कुछ सांसद एवं विधायक है। इसके लिए प्रदेश के दो एसटी सांसदों, दो वैश्य वर्ग से विधायक के अलावा चार सामान्य वर्ग के वरिष्ठ नेताओं एवं दो एससी वर्ग के नेताओं के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे हैं। भाजपा का अगला प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा इसकी तस्वीर अभी भले ही साफ नहीं है, लेकिन दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं।

जिन वरिष्ठ नेताओं को प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल माना जा रहा है, उसमें सामान्य वर्ग से उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, विधायक रामेश्वर शर्मा, सांसद आलोक शर्मा के अलावा सिंधी समाज से वर्तमान प्रदेश कार्यालय प्रभारी महामंत्री एवं विधायक भगवानदास सबनानी एवं बैतूल से विधायक हेमंत खंडेलवाल, एसटी वर्ग से दो बार की सांसद हिमाद्री सिंह एवं राज्य सभा सदस्य डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी का नाम आगे है।

क्षेत्रीय और जातीय समीकरण

मप्र भाजपा अध्यक्ष के लिए पार्टी क्षेत्रीय और जातीय समीकरण को विशेष महत्व देगी। ऐसे में अध्यक्ष की रेस में चार ब्राह्मण वर्ग के नेताओं का नाम शामिल है। वर्तमान में प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल विष्य क्षेत्र के कद्दावर नेताओं में शामिल हैं। वह पांच बार के विधायक हैं।

वह उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जो पहली बार विधायक बनते ही सरकार में मंत्री बनाए गए थे। शुक्ल 2003 से लगातार चुनाव जीत रहे है। प्रदेश सरकार में गृहमंत्री रहे डॉ मिश्रा 6 बार के विधायक रहे हैं। पाटर्टी आलाकमान के साथ अच्छे संबंधों एवं प्रदेश में पार्टी कार्यीकर्ताओं में पकड़ रखने वाले मिश्रा का नाम काफी पहले से इस पद के लिए चर्चा में है। उन्हें पार्टी का संकटमोचक भी कहा जाता है। लोकसभा चुनाव के दौरान पाटी द्वारा न्यू ज्वाइनिंग टोली की कमान डॉ निश्रा के हाथ में थी।

प्रदेश कांग्रेस के कई बड़े नेताओं को भाजपा में शामिल कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से तीन बार के विधायक रामेश्वर शर्मा की छवि कट्टर हिंदूवादी नेता हैं। हिंदूवादी छवि के बलते संघ की भी पसंद है। इसके साथ ही वह प्रोटेम स्पीकर के पद पर सबसे लंबे समय तक रहने का रिकार्ड भी अपने नाम करवा चुके हैं। वह पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष भी रह चुके है। वह मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के करीबी भी हैं। राजधानी भोपाल से महापौर रह चुके आलोक शर्मा वर्तमान में राजधानी से सांसद है।

पार्टी ने उन्हें दो बार उत्तर विधानसभा से टिकट देकर मैदान में उतारा था, लेकिन दोनों बार उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के करीबी है। शर्मा पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। वहीं सिंधी समाज से आने वाले भगवानदास सबनानी का नाम भी चर्चा में है। सबनानी वर्तमान में पार्टी के प्रदेश कार्यालय महामंत्री के साथ पहली बार के विधायक हैं। सरल, सहज छवि की वजह से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के करीबी है।

भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक है। प्रदेश में सदस्यता के मामले में डेढ़ करोड़ सदस्य बनाकर लक्ष्य को पीछे छोडने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाल ही में उनका दिल्ली में सम्मान किया। वहीं सांसद डा. सुमेर सिंह सोलंकी भी अध्यक्ष की रेस में शामिल हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी वर्तमान में राज्य सभा के सदस्य है आदिवासी वर्ग से आने वाले डॉ. सोलकी पूर्व में प्रोफेसर थे। उनकी छवि पड़े लिखे होने के साथ ही आदिवासी अंचलों में इस वर्ग के लोगों के लिए काम करने को लेकर है। संघ से जुड़े होने के नाते भी उनका नाम इस पद के लिए आगे आया है। शहडोल संसदीय सीट से दूसरी बार सांसद बनी हिमाद्री सिंह का नाम भी चर्चा में है। हिमादी की छवि पड़ी लिखी महिला के साथ ही आदिवासी वर्ग के लिए काम करने वाली नेता की रही है।

वीडी शर्मा के लिए संभावनाएं

वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा ने न केवल विधानसभा चुनाव में 163 सीटें जीतीं बल्कि लोकसभा चुनाव में भी 29 सीटें जीतने में कामयाब रही। ऐसे में उन्हें केंद्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष या फिर राष्ट्रीय महासचिव बनाया जा सकता है। इस बात की भी संभावना है कि वीडी शर्मा को इस पद पर रिपीट किया जाए।

हालांकि, भाजपा में ऐसा पहले हुआ नहीं है कि लगातार दो टर्म किसी को अध्यक्ष बनाया गया हो। सुंदरलाल पटवा, कैलाश जोशी और नरेंद्र सिंह ये तीन ऐसे नेता रहे हैं, जिन्होंने दो बार प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाली है, मगर उनके दो टर्म के बीच कुछ सालों का अंतर रहा है। वर्मतान में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का कार्यकाल जिस तरह का रहा है उससे इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि पार्टी हाईकमान उन्हें दूसरा मौका भी दे सकता है। यदि ऐसा न हुआ तो उनका कद बढ़ाया जा सकता है।

कमलनाथ बोले-2023 में झूठे वादे कर भाजपा सत्ता में आई

बुधनी-विजयपुर उपचुनाव में सरकार को नींद से जगाने का मौका

इंदौर। बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी। दीवाली के बाद से कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों के नेता प्रचार में ताकत लगा रहे हैं। पूर्व सीएम कमलनाथ ने ट्वीट कर बीजेपी पर हमला बोला है। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा- मप्र के सीहोर जिले की बुदनी और श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के ये दोनों ही उपचुनाव जनता को सरकार के 10 महीनों के कामकाज की समीक्षा करने और सरकार को कर्तव्यबोध कराने का अवसर देते हैं। ये उपचुनाव जनता को अपने वोट की ताकत से सरकार की नींद खोलने और उन्हें आईना देखाने का मौका देते हैं।

कमलनाथ ने लिखा- मप्र विधानसभा चुनाव 2023 में झूठे वादे कर सत्ता में आई बीजेपी सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह से विफल रही है। लाड़ली बहना योजना की राशि 3000 रुपए प्रतिमाह करने का वादा भी झूठा साबित हो चुका है। 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने के झूठ का पाखंड टूट चुका है। किसानों को बोनस और समर्थन मूल्य वाली बात कोरी लफ्फाजी निकली है। सैकड़ों महत्वपूर्ण योजनाएं या तो घोषित रूप से बंद कर दी गई हैं, या उनका बजट/भुगतान रोककर उन्हें मरणासन्न किया जा रहा है।

लाड़ली बहना योजना में नए हितग्राही नहीं जोड़े जा रहे

कमल नाथ ने आगे लिखा कि लाड़ली बहना योजना में नए हितग्राहियों को जोडने का काम शून्य है, पुराने हितग्राहियों की छटनी तेजी से जारी है। जनता को मिलने वाली विभिन्न वित्तीय सहायताओं को रोककर केवल एक योजना में राशि जारी करना भोली-भाली जनता से इस शातिर सरकार की नायाब ठगी है। परिवार के हर सदस्य की जेब काटना और फिर लूट के उसी पैसों का एक छोटा सा हिस्सा जनता को लौटाकर वाहवाही लूटना इस फरेबी सरकार की आदत बन चुकी है। पूर्व सीएम ने आगे लिखा कि महंगाई जान ले रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है। शिक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। सडकों पर चन्द्रमा की सतह जैसे गड्ढे हैं। बाजार में सन्नाटा पसरा है। बेटी घर की चौखट पार करते ही असुरक्षित है। किसान बिलख रहे हैं। व्यापारियों से वसूली जारी है। बीजेपी संरक्षित भू-माफिया नदी, पहाड़ और जंगल निगल रहे हैं। मध्यप्रदेश नशे के कारोबार का प्रमुख अड्डा बन गया है। बिजली कटौती से घर से लेकर सडकों तक पर अंधेरा पसरा है।

मध्यप्रदेश के 30 से अधिक क्रिएटर्स को तेजस समिति द्वारा सम्मानित

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना। तेजस समिति द्वारा आयोजित सार्वजनिक गोवर्धन पूजन कार्यक्रम 2024 में मध्यप्रदेश के 30 से अधिक प्रतिष्ठित सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स और क्रिएटर्स को सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन में भोपाल, इंदौर और विदिशा के मशहूर सोशल मीडिया क्रिएटर्स जैसे सुमित राठौर, उत्कर्ष गुप्ता, शुभम सोनी, आशीष मंडराई, अर्जुन सोनी, राहुल कुशवाह आदि शामिल हुए।

छोला दशहरा मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में, भव्य गोवर्धन प्रतिमा के समक्ष 15 से अधिक कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इस अनोखे और सांस्कृतिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने उपस्थिति दर्ज कराई। इस सम्मान समारोह का उद्देश्य मध्यप्रदेश के उभरते और प्रतिष्ठित क्रिएटर्स को प्रोत्साहित करना और उनके योगदान को सराहना देना था। सम्मान समारोह का समापन तेजस समिति के सदस्यों और सचिव श्री वरुण गुप्ता ने सभी श्रद्धालुओं और क्रिएटर्स के प्रति आभार प्रकट कर किया।

भाजपा ने चुनी हुई सरकारें गिराकर कुर्सी की भूख मिटाई

पूर्व सीएम कमलनाथ ने भाजपा पर बोला हमला, कहा

इंदौर। पूर्व सीएम और कांग्रेस के सीनियर लीडर कमलनाथ ने दलबदल, खरीद फरोख्त और सौदेबाजी को लेकर बीजेपी पर हमला बोला है। कमलनाथ ने ट्वीट कर न्यायिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। पूर्व सीएम ने एक्स पर लिखा- लोकतंत्र में सौदेबाजी एक विकार है और जब केन्द्र में सत्तासीन दल ही राज्यों में खरीद फरोख्त और सौदेबाजी का मूक समर्थक बन जाए, तब इसे रोकना लगभग नामुमकिन सा हो जाता है।

हमने मप, कर्नाटक, उत्तराखंड, महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों के उदाहरण देखें हैं। जब बीजेपी ने सत्ता हासिल करने के लिए बड़ी संख्या में सौदेबाजी और बेमेल गठबंधन कर जनता के द्वारा चुनी हुई सरकारों को गिराकर अपनी कुर्सी की भूख मिटाई है। सौदेबाजी से केवल एक लोकतांत्रिक सरकार की ही हत्या नहीं होती, बल्कि जनता के परिवर्तन के मूल निर्णय की भी हत्या होती है। जब 'वोट' से चुनी हुई सरकार को 'नोट' से बिके हुए नेताओं के कारण अल्पायु में मिटना पड़ता है। तब जनता के वोट की ताकत शून्य हो जाती है।

कुर्सीखोर भस्मासुर बनकर राज करने लगते हैं-कमलनाथ ने लिखा- प्रजातंत्र में जनता को सर्वोपरि बनाया गया है। प्रजातंत्र का मतलब ही जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन होता है लेकिन खरीद फरोख्त में जनता विलोपित कर दी जाती है और कुर्सीखोर भस्मासुर बनकर जनता पर ही राज करने लगते हैं। खरीद फरोख्त रोकने के लिए कानून भी बने हैं, लेकिन जब केन्द्र सरकार ही अनैतिक समर्थन का मूल्य चुकाती है, तब कानून इसे रोकने में अक्षम नजर आता है, अदालतों की अल्प इच्छाशक्ति भी खरीद फरोख्त को संजीवनी देती है। पूर्व सीएम ने आगे लिखा- आप खुद सोचिए। जिस अनैतिक सौदेबाजी को पूरा देश समझ रहा होता है, वो सौदेबाजी अदालतों में जाकर नैतिक और संविधान सम्मत हो जाती है। जब सौदेबाजी से लोकतंत्र की हत्या का अभियान शुरू किया जाता है, तब चुनाव आयोग, विधानसभा अध्यक्ष, राज्यपाल, अदालत और सौदेबाजी को संरक्षण देती केन्द्र और राज्य सरकारों की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगते ही हैं।

भोली-भाली जनता ठग ली जाती है-कमलनाथ ने लिखा- जनता भी कुछ दिनों तक सौदेबाजी के खिलाफ मुखर होती है। क्रोध और गुस्सा दिखाई देता है, फिर उपचुनाव आते-आते सौदेबाज नेता नकाब बदलकर सत्तासीन दल के लाव लश्कर के साथ फिर वोट मांगने आ जाता है और भोली भाली जनता फिर ठग ली जाती है। सौदेबाजी की खासियत यह होती है कि दलबदलू नेता जिस चुनाव चिन्ह से जीतकर आया था, उसे ही हराने में पूरी ताकत झोंक देता है। विपक्षी नेता अचानक से सरकार बन जाता है और सरकार जिससे हारी थी, उसे ही जिताने के लिए फिर जनता के सामने लौटने का अभिनय करने लगती है।

विजयपुर की जनता के पास मौका-कमलनाथ ने आगे लिखा- मुझे आज भी ऐसा लगता है कि जिस दिन जनता ने सौदेबाजी और खरीद फरोख्त को सिरे से खारिज कर दिया। उसी दिन लोकतंत्र पवित्र हो जाएगा। जनता को यह समझना होगा कि सौदा केवल किसी पद या दल का नहीं, बल्कि उसके वोटों का हुआ है। श्योपुर जिले की विजयपुर विधानसभा की जनता के पास इस समय लोकतंत्र को पवित्र करने की जिम्मेदारी है। मैं मतदाताओं से अपील करता हूं कि इस बार केवल विधायक चुनने के लिए नहीं, बल्कि दलबदल और सौदेबाजी रोकने के लिए मतदान करें। विजयपुर की जनता पूरे देश को यह संदेश दे कि वो धोखेबाजी के खिलाफ है। जनता न्याय के साथ है। जनता सत्य के साथ है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com